तापमान
अधिकतम 38.2 डिग्री
न्यूनतम 25.6 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, मंगलवार 6 मई 2025

टूरिज्म में 'बार सेवा' से बंपर कमाई, बैगा रिसॉर्ट में दो साल में 24 लाख की शराब बिकी, अब मैनपाट-चित्रकोट में भी तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

कवर्धा जिले की चिल्फी घाटी के रिसॉर्ट में पर्यटन विभाग द्वारा शुरू की गई बार सेवा अब पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुकी है। बैगा एथनिक रिसॉर्ट में दो साल पहले शुरू हुई इस सुविधा ने न सिर्फ पर्यटकों की संख्या बढ़ाई है, बल्कि विभाग को हर महीने लाखों रुपए की कमाई भी हो रही है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2023 से शुरू हुए बार में हर महीने एक लाख रुपए से अधिक की शराब की खपत हो रही है। खास बात यह है कि सालभर में करीब 12 लाख रुपए से अधिक की शराब पर्यटक गटक जाते हैं। विभाग के लिए कमाई का यह नया स्त्रोत भी बन गया है।

गर्मी और छुट्टियों के दौरान मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ से हजारों की ▶▶|शेष पेज 13 पर

- पर्यटन स्थलों पर बार की सुविधा से बढ़ी पर्यटकों की संख्या, विभाग को भी आर्थिक लाभ
- छुट्टी में एक दिन में 20 हजार तक की शराब पी जाते हैं पर्यटक

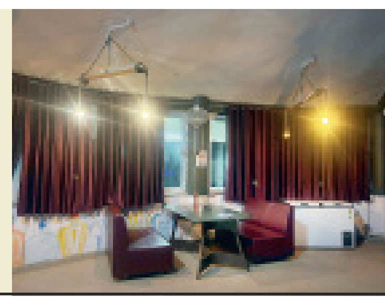

मोटल्स में भी बढ़ने लगे पर्यटक

पर्यटन विभाग द्वारा लीज पर दिए गए दुर्ग, रायगढ़ और कोरिया स्थित तीन मोटल्स में बार की सुविधा शुरू होते ही यहां पर्यटकों की आवाजाही में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जहां विभाग द्वारा संचालित रिसॉर्ट्स के बार में केवल ठहरने वाले मेहमानों को ही शराब परोसी जाती है, वहीं लीज पर दिए गए मोटल्स में पर्यटकों के साथ-साथ अन्य लोग भी बार की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। इस व्यवस्था से मोटल संचालकों को हर महीने लाखों रुपए की शराब बिक्री से अच्छा मुनाफा हो रहा है। बार के कारण मोटल्स आकर्षण का केंद्र बन गए हैं।

मैनपाट और कोंडागांव में भी मिलेगी सुविधा

चिल्फी के बाद अब मैनपाट और कोंडागांव, चित्रकोट, जशपुर और बार नवापारा के रिसॉर्ट में भी पर्यटकों के लिए बार खोलने की तैयारी है। यहां हर महीने हजारों की संख्या में लोग रिसॉर्ट में ठहरने पहुंचते हैं। विभाग रिसोर्ट में बार के लिए जगह भी निर्धारित कर चुका है। विभाग का कहना है कि इन रिसॉर्ट में पर्यटकों की ओर से बार खोलने के लिए कई बार मांग की गई है।

लीज पर देने की तैयारी

मोटल्स लीज आउट किए जा रहे हैं, जिसमें दुर्ग, रायगढ़ में संचालकों ने बार लाइसेंस लेकर बार शुरू किया है। चिल्फी के बैगा रिसॉर्ट में बार का संचालन विभाग कर रहा है, जिसे अब लीज पर देने की तैयारी है।

- **विवेक आचार्य,** प्रबंध संचालक, छग टूरिज्म बोर्ड

खबर संक्षेप

मोबाइल लुटेरे निकले वाहन चोर, तीन धरे गए

रायपुर। अभनपुर इलाके में ग्रामीण की मोपेड और मोबाइल छीनने वाले बदमाश रायपुर और बिलासपुर में वाहन चोरी की घटनाओं को भी अंजाम देते थे।

गरियाबंद के दिलीप साहू की शिकायत पर पुलिस ने अपनी जांच शुरू की थी, इस दौरान घटना में एक नाबालिग के शामिल होने का पता चला। उससे पूछताछ की गई तो लूट के साथ वाहन चोरी की अन्य घटनाओं के बारे में भी सुराग मिल गया। काठाडीह में रहने वाले विनाशक देवार उर्फ मास्टर एवं रोहित देवार उर्फ मोटू को पकड़ा गया। इस मामले में 2 और बदमाशों की तलाश की जा रही है। आरोपियों की निशानदेही पर ढाई लाख रुपए कीमत की 5 गाड़ियां बरामद की गई हैं।

सुनसान इलाके में घूमते पकड़े गए दो चाकूबाज

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने लूटपाट जैसी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में सुनसान इलाके में घूम रहे दो बदमाशों को धर दबोचा। अमरपुरी काली मंदिर के पास रहने वाले शंकर यादव और विष्णु ध्रुव के पास से दो चाकू बरामद किए गए हैं। आरोपी पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे थे, मगर नाकाम हो गए। मामला पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश कर उन्हें जेल भेज दिया गया। शहर में हो रही चाकूबाजी की लगातार घटनाओं की वजह से पुलिस ऐसे बदमाशों के खिलाफ अभियान चला रही है।

बच्चों से कराई गांजा बिक्री आधा दर्जन पर केस दर्ज

रायपुर। जिला बाल संरक्षण अधिकारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने बच्चों के माध्यम से गांजा बिक्री करने के आरोप में आधा दर्जन से ज्यादा आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। संजय कुमार निराला की शिकायत पर पुलिस ने कोंदा, पुरलिया, पार्वती तथा छह अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। संजय ने पुलिस को बताया कि सुभाष नगर स्थित निचली बस्ती में वे जांच करने गए थे। जांच के दौरान जिला बाल संरक्षण विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारियों ने बच्चों को गांजा बेचते पाया। पूछताछ करने पर बच्चों ने अपने परिजनों के कहने पर गांजा बिक्री करने की जानकारी दी।

दुकानदार एवं उपभोक्ता परेशान, संघ ने दी चेतावनी

नई पॉस मशीन में थंब इंप्रेशन कैप्चर नहीं हो रहा, नहीं मिल रहा राशन, सब हलाकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की डिजिटल व्यवस्था के तहत राशनकार्ड को आधार से लिंक कर पॉस मशीन से थंब इंप्रेशन के आधार पर राशन का वितरण किया जाता है, पर इस माह इसी मशीन की वजह से ज्यादातर उपभोक्ताओं को राशन नहीं मिल पाया।

गौरतलब है, हाल ही में पॉस मशीनें बदली गई हैं। आम शिकायत है कि नई पॉस मशीन में उपभोक्ताओं का थंब इंप्रेशन नहीं लेने के कारण उन्हें राशन वितरण नहीं हो पा रहा है। उपभोक्ता दुकान संचालकों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। संचालकों ने नान के अफसरों को इस संबंध में शिकायत कर मशीन ठीक कराने की मांग रखी ▶▶|शेष पेज 13 पर

अधिकांश उपभोक्ताओं को नहीं मिला अप्रैल माह का राशन

निराकरण न होने पर आंदोलन की चेतावनी

शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश महासचिव विजय धृतलहरे ने कहा, समस्या का निराकरण नहीं होने पर राशन दुकान बंद करने पर विचार किया जा रहा है। मामले में अफसरों को जानकारी दी जा चुकी है। आज मई माह का चौथा दिन हो गया है। राशन दुकान में वितरण प्रभावित है, जबकि अप्रैल माह में इसी कारण वितरण प्रभावित रहा है।

इस कारण बदली गई पॉस मशीन

पहले मंत्रा कंपनी की पॉस मशीन राशन दुकानदारों को दी गई थी, जिसमें थंब कैप्चर कैपेसिटी 0.5 थी और सर्वर की भी समस्या दूरदराज के इलाकों में बनी रहती थी। इस कारण उपभोक्ता एवं दुकानदार परेशानियों का सामना करते थे। शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ ने पॉस मशीन में होने वाली दिक्कतों को सुधारने या फिर मशीन परिवर्तन करने का महत्वपूर्ण मांग रखी थी। राज्य सरकार ने मंत्रा कंपनी के अनुबंध को रद्द कर मशीन परिवर्तन करने का फैसला लिया।

करोड़ों का कमीशन बकाया

राशन दुकान संचालकों को दिसंबर के बाद से राशन वितरण का कमीशन नहीं मिला है। एमडीएम, अमृत नमक का 30 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से 2020 से कमीशन नहीं मिला है। बारदाना का भुगतान जो करीब 20 करोड़ का है, वह आज तक मार्कफेड से नहीं मिला। वहीं पॉस मशीन से वितरण का कमीशन 21 रुपए 2022 से नहीं मिला है।

दिनभर गर्मी, रात में बारिश, उमस से बढ़ जाएगी परेशानी

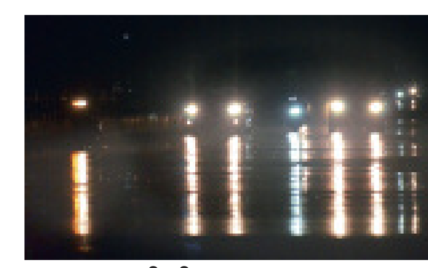

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सुबह छाए बादलों के छंटने के बाद राजधानी रायपुर समेत मध्य इलाके में दिनभर गर्मी का आलम रहा। सोमवार रात करीब 11 बजे बादल गरजे और अचानक बारिश शुरू हो गई। वातावरण में मौजूद नमी के प्रभाव से सरगुजा और बस्तर संभाग में बारिश की संभावना बनी हुई है।

- दोपहर के बाद बादल छंट गए, फिर रात में बरसे

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार, प्रदेश के मौसम में बदलाव करने वाला सिस्टम अभी भी मौजूद है, मगर बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी की मात्रा में कमी आ गई है। इसकी वजह से बारिश की गतिविधि सीमित क्षेत्रों में सिमटने की संभावना है। सोमवार की सुबह राजधानी में बादल छाए रहे, जिससे मौसम में बदलाव होने की संभावना ▶▶|शेष पेज 13 पर

टोल प्लाजा में टैक्स की धांधली, गैरेज में खड़ी कार के फास्टैग से कट गए पैसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

टोल प्लाजा में फास्टैग के नाम पर वाहन मालिकों के साथ धोखाधड़ी करने का एक अलग तरह का मामला सामने आया है। वाहन मालिक की कार गैरेज में खड़ी थी, लेकिन उनकी कार का 4 मई को तड़के 5 बजकर 39 सेकेंड में टोल शुल्क कटने का मोबाइल पर मैसेज आया। कार मालिक का कहना है कि उनके मोबाइल में जब मैसेज आया, उस समय उनकी कार गैरेज में खड़ी थी। इसका कार मालिक ने सीसीटीवी फूटेज भी टोल प्लाजा के जिम्मेदारों को भेजा है।

- दिन में ऐसी कई गाड़ियों के साथ धांधली कर वाहन चालकों की जेब काटी जा रही

कार मालिक राजेंद्र निगम के मुताबिक, उनके भाई की कार सीजी 04 एमजेड 7636 रिपेयरिंग के लिए देवपुरी स्थित महादेव मोटर्स में 12 अप्रैल से खड़ी है। फास्टैग से 105 रुपए कटने के बाद कार मालिक महादेव मोटर्स प्रबंधन से संपर्क कर सीसीटीवी फूटेज हासिल किया तो कार गैरेज में ▶▶|शेष पेज 13 पर

नंबर रीड नहीं हो पाने की वजह से टोल कर्मचारी मैनुअली किसी दूसरी गाड़ी का नंबर एड कर काट रहे राशि

पूर्व में भी ऐसी धांधली

राजेंद्र निगम के अनुसार, फास्टैग से राशि काटे जाने की गड़बड़ी पूर्व में भी हो चुकी है। श्री निगम के अनुसार पिछले वर्ष उनकी बेटी की कार से बगैर आवाजाही किए फास्टैग से राशि काट ली गई थी। रकम कम होने की वजह से राजेंद्र निगम की बेटी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

रीड नहीं होने पर डाल देते हैं मैनुअल नंबर

बगैर टोल पार किए कार मालिक के फास्टैग से राशि काटे जाने के लेकर राजमार्ग प्रशासक परियोजना निदेशक से संपर्क किया गया तो उनका कहना था कि जिस कार का नंबर रीड नहीं हो पाता, ऐसी स्थिति में टोल कर्मचारी मैनुअल नंबर ▶▶|शेष पेज 13 पर

टोल प्लाजा में कई तरह की गड़बड़ी सामने आ रहीं

टोल प्लाजा में 20 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले वाहन मालिकों से टोल लेने का नियम नहीं है। बावजूद इसके 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों से टोल टैक्स की वसूली की जा रही है। इसके अलावा 24 घंटे के भीतर आवाजाही करने पर 75 रुपए टोल लेने के बजाय आरंग सहित कुम्हारी टोल पर भी 100 रुपए चार्ज लिया जा रहा है। इस तरह से टोल नाके पर वाहन मालिकों की जेब काटने का खेल चल रहा है।

सांस भरने और धड़कन तेज होने की शिकायत

दो लाख में एक को होती है हृदय की दुर्लभ बीमारी, सर्जरी के बाद मिला नया जीवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दो लाख लोगों में से एकाध को होने वाली हृदय की दुर्लभ बीमारी का ओपन हार्ट सर्जरी के माध्यम से इलाज किया गया। 36 वर्षीय महिला सांस भरने और अनियमित धड़कन की शिकायत लेकर आंबेडकर अस्पताल पहुंची थी। हार्ट सर्जरी विभाग की जांच में पता चला की हृदय से शरीर के अन्य हिस्से को ऑक्सीजनयुक्त रक्त पहुंचाने वाला पंपिंग चैंबर केवल 20 फीसदी ▶▶|शेष पेज 13 पर

शरीर को ऑक्सीजन युक्त रक्त पहुंचाने वाला पंपिंग चैंबर कर रहा 20 फीसदी काम

सांसद की चिट्ठी से हड़कंप, जरूरी संसाधनों के बारे में पूछताछ

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को चिट्ठी लिखकर हार्ट सर्जरी विभाग में ऑपरेशन नहीं होने के मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी। इस चिट्ठी ने रायपुर मेडिकल कॉलेज से लेकर चिकित्सा शिक्षा विभाग तक हड़कंप मचा दिया है। पत्र के बाद सभी तरह के ऑपरेशन के लिए जरूरी संसाधनों के बारे में उच्च स्तर पर जानकारी मांगी गई है। यहां ओपन हार्ट सर्जरी ले-देकर पूरी हो रही है, मगर भारी दबाव के बाद भी परफ्यूजीनिस्ट, कार्डियक फीजिशियन और एनेस्थेटिक के अभाव में बाईपास सर्जरी नहीं हो पा रही है। सांसद की चिट्ठी के बाद इस सुविधा के भी शीघ्र शुरू होने की उम्मीद की जा रही है।

खबर संक्षेप

सभी को मिलकर करनी होगी गौ माता की रक्षाः पं. रविकांत

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम मोहदा में भागवत कथा के चौथे दिन कथा वाचक पं. रविकांत तिवारी सैहा बलौदाबाजार वाले ने कृष्ण जन्म की कथा विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कथा के दौरान कहा की गौ माता पूजनीय है हम सबको मिलकर गौ माता की रक्षा करना होगा। आज देखा जा रहा है लोग गौ चरागन की जमीन को कब्जा कर रहे हैं खेतों के पैरा जला रहे हैं यही हाल रहा तो एक दिन लोग दूध दही के लिए तरसेंगे। कृष्ण जन्म उत्सव पर श्रोता गण जमकर घूमे नाचे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित थे।

खमतराई आरंग में लगा शिविर, 75 मांग-शिकायतों का मौके पर निराकरण

रायपुर। सुशासन तिहार के तीसरे चरण के पहले दिन आरंग ब्लॉक के ग्राम खमतराई में लगाए गए समाधान शिविर में मौके पर 75 मांग व शिकायतों का निराकरण किया गया। इस शिविर में कुल 76 आवेदन आए थे, जिनमें मात्र एक आवेदन ही ऐसा था, जिसका निराकरण नहीं हो पाया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि शिविर में आमजनों की समस्याओं का समाधान तिहार के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण के अंतर्गत आरंग ब्लॉक के ग्राम खमतराई में समाधान शिविर लगाया है, जिसे तिहार के रूप में मनाया। उन्होंने कहा कि इस शिविर में लर्निंग लाइसेंस, किसान किताब, आयुष्मान कार्ड सहित कई तरह की मांग के अलावा शिकायत भी की गई। इन सभी मांग व शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। इस दौरान जनपद पंचायत के अध्यक्ष, स्थानीय जनप्रतिनिधि, एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन समेत विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

किशोर न्याय : लंबित मामलों की समीक्षा के लिए बनी समिति

रायपुर। किशोर न्याय से संबंधित लंबित प्रकरणों की संख्या, लंबित रहने की अवधि, लंबित रहने की प्रकृति और इसके कारणों के पुनर्विलोकन के लिए राज्य सरकार ने एक समिति का गठन किया है। यह समिति हर 6 महीने में एक बैठक करेगी ओर किशोर न्याय अधिनियम 2015 के प्रावधान के अनुरूप काम करेगी।

ये है समिति : राज्य सरकार द्वारा गठित समिति में अध्यक्ष राज्य विधिक सेवा के कार्यपालक समिति के अध्यक्ष होंगे। गृह विभाग के प्रमुख सचिव या गृह सचिव सदस्य, महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव सदस्य सचिव और अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट स्वैच्छिक या गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

एसबीआई संघ शिक्षा समिति के अध्यक्ष बने गुप्ता

रायपुर। रायपुर स्टेट बैंक अधिकारी संघ शिक्षा समिति अवंति विहार में 4 मई को सभी सदस्यों का 5 वर्ष के लिए विधिवत साधारण सभा में चुनाव संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी डीके पाण्डेय ने चुनाव कराया, जिसका सभी सदस्यों ने ध्वनिमत से स्वागत किया। चुनाव में अध्यक्ष रमेश गुप्ता, सचिव मुकेश पुरोहित, उपाध्यक्ष मिथिलेश शर्मा, कोषाध्यक्ष बीएल लुलिया चुने गए। सभी सदस्यों ने पदभार ग्रहण कर लिया।

परमात्मा को अपना दोस्त बनाकर उनसे मन की बातें करें

रायपुर। समर कैंप के दूसरे सत्र में भगवान के साथ संबंध विषय पर बोलते हुए राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्रियंका दीदी ने कहा कि परमात्मा को हम अपना सच्चा दोस्त बनाकर उनसे अपना सुख-दुख बांटें। तनावग्रस्त होने पर उन्हें अपने मन की बातें कहकर हल्के हो जाएं। आप उन्हें पत्र भी लिख सकते हैं। ब्रह्माकुमारी प्रियंका दीदी ने बच्चों को बड़े ही सरल ढंग से परमात्मा का परिचय देते हुए बताया कि परमात्मा का कर्तव्यवाचक नाम शिव है, जिसका अर्थ कल्याणकारी होता है।

शिविर : प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए प्रशासन तत्पर : कलेक्टर

खमतराई के समाधान शिविर में 76 में से 75 मामलों का मौके पर निराकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

सोमवार को ग्राम पंचायत खमतराई हाई स्कूल मैदान में सुशासन तिहार के अंतर्गत तृतीय चरण का पहला समाधान शिविर जिला कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव कुमार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्व रंजन के मार्गदर्शन एवं एसडीएम आरंग पुष्पेंद्र शर्मा के निर्देशन में आयोजित हुआ।

वहीं एसडीएम पुष्पेंद्र शर्मा एवं सीईओ लहरे ने प्रामाणिक रूप से जानकारी दी की ग्राम पंचायत खमतराई, अमेठी, देवरी, बेनीडीह, गुदगुदा से मांग के 1944 आवेदन एवं शिकायत के 20 आवेदन प्राप्त हुए। इस प्रकार कुल 1964 आवेदनों में से सभी का निराकरण हो चुका है एवं शिविर में तत्कालीन प्राप्त 76 आवेदनों में से 75 का समाधान तत्काल किया गया। इस अवसर पर समाधान शिविर के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल एवं अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष टाकेश्वरी मुरली साहू ने की एवं जिला पंचायत सदस्य तारणी चंद्राकर, जनपद उपाध्यक्ष रविंद्र रिंकू चंद्राकर, जनपद सदस्य प्रीति राकेश चंद्राकर, देवनाथ साहू, पुष्कर साहू, महेश साहू आदि की उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने कहा कि सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए प्रशासन तत्पर है, अतः उन्होंने जनमानस को प्रेरित करते हुए कहा कि खुद भी अपने अधिकार के लिए जागरूक बने उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि पात्रता है तो निराकरण अवश्य त्वरित होगा और और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार जिला प्रशासन निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दार्शनिक अंदाज में कहा की प्रशासन मिनिमम गवर्नमेंट के साथ मैक्सिमम गवर्नेंस की ओर बढ़ रहा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

उन्होंने लोगों को प्रेरित करते हुए शिविर में लगे कैंप बाल गोपाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल की टीम, टीबी स्कैनिंग टेस्ट रायपुर की टीम आदि से लाभ लेने की बात कही एवं उनके निर्देशानुसार शिविर में ड्राइविंग लर्निंग लाइसेंस, श्रम कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड जाति प्रमाण पत्र, व्यय वंदन कार्ड, पेंशन आदि का त्वरित कार्यवाही कर समाधान किया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग, महिला बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग सहकारिता विभाग, जल संसाधन विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग सहित 40 से अधिक विभागों की सहभागिता रही तथा सभी के प्रमुखों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

किसानों को सब्जी मिनी कीट दी गई

शिविर में उद्यानिकी विभाग से हितग्राही, किसानों को सब्जी मिनी कीट प्रदाय, लौकी गेंदा सीड वितरण, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत जॉब कार्डवितरण, कृषि विभाग से स्प्रेयर वितरण, जिंक सल्फेट, धान बीज वितरण, महिला एवं बाल विकास विभाग से किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता किट, गोद भराई गर्भवती माताकों को एवं अन्नप्राशन संस्कार सामग्री वितरण, दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल आदि प्रदान किए गए। इस अवसर पर सरपंचगण सती बिशन लहरी, चेतन साहू, कमलेश्वरी बंदे, यशवंत निषाद एवं उपसरपंच गण एवं पंचगण के साथ-साथ जिला स्तर के अधिकारी एसएसपी लाल उम्मेद सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ विजय खंडेलवाल एवं अन्य उच्च अधिकारी गण मनोज कुमार पैकरा, श्याम सुंदर रैदास, डीडी जोगान, शंकर लाल उईके, रजत अग्रवाल, जनपद सीईओ कुमार सिंह लहरे, तहसीलदार सीता शुक्ला, विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ विजय लक्ष्मी अनंत, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक एम एन वर्मा, महिला बाल विकास अधिकारी ऋषि बंजारे, संकुल प्राचार्य रवि शर्मा, संकुल समन्वयक हरीश दीवान, सुरेंद्र चंद्रसेन, अभिषेक तिवारी आदि एवं संचालन टीम अरविंद कुमार वैष्णव, महेंद्र पटेल, भूषण जलक्षत्रि, एडीईओ छत्रधारी सोनकर, रोशनी तिवारी, करारोपण एवं रोजगार सहायक अधिकारी, पटवारीगण ग्राम सचिव, कोटवार आदि के साथ-साथ कोमल नारायण, टिकेश्वर लोधी, गुलाब यादव, सीताराम साहू, पूनम चंद साहू, ग्राम वासियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कंपनी की मनमानी के खिलाफ ग्रामीणों ने दी धरने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

ग्राम पंचायत गिरौद में स्थित जायसवाल निको इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। कंपनी द्वारा कथित मनमानी और स्थानीय हितों की अनदेखी के विरोध में पांच गांवों के सरपंचों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और कंपनी के गेट को बंद करने की चेतावनी दी है।

ग्रामीणों ने कंपनी प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें स्थानीय युवक लाइन लूजर को नौकरी न देना, सीएसआर मद से पेयजल और नाली की संतोषजनक व्यवस्था न करना, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन न करना, गांव के तालाब को धूल और डस्ट से प्रदूषित करना और उसकी सफाई न कराना प्रमुख हैं। आक्रोशित ग्रामीणों का यह भी कहना है कि कंपनी में 15-20 वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों को स्थायी नहीं किया जा रहा है, जो श्रम कानूनों का उल्लंघन है। आलोक पांडे एचआर हेड निको जायसवाल उद्योग साकरा सिलतरा ने कहा की हमने सीएसआर के तहत आसपास के गांवो में करोड़ों रूपये की विकास कार्य किए हैं और करोड़ो का विकास कार्य जारी है।वहीं हमारे उद्योग में स्थानीय 90 प्रतिशत लोग कार्यरत है। ग्रामीणों का आरोप बेबुनियाद है।

नगर सुराज संगम शुरू

डिप्टी सीएम साव ने किया शुभारंभ नगरीय निकायों के लिए बनेगी पांच साल की कार्ययोजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम-सह-कार्यशाला नगर सुराज संगम का शुभारंभ किया।

कार्यशाला के पहले दिन सोमवार को प्रदेश के सभी नगर निगमों के महापौरों, सभापतियों, एमआईसी सदस्यों और वरिष्ठ अभियंताओं ने अपने-अपने निकायों की आगामी पांच वर्षों की कार्ययोजना पर मंथन किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इस दौरान सुनियोजित और सुव्यवस्थित विकास तथा शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने का रोडमैप साझा किया।

अब शहर को देने की बारी

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगर सुराज संगम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में हाल ही में संपन्न नगरीय निकायों के चुनाव में निर्वाचित होकर आने वाले जनप्रतिनिधियों पर जनता ने अपना भरोसा जताया है। शहर के विकास और वहां सुविधाएं जुटाने का बड़ा काम आप लोगों को सौंपा है। आपके शहर ने आपको भरपूर स्नेह, मान-सम्मान और संस्कार दिया है। आपकी कर्मस्थली, आपके शहर ने आपको बहुत कुछ दिया है, अब शहर को देने की बारी आपकी है। आप लोग अपने-अपने शहरों में अपने कार्यकाल में ऐसा काम करें जो यादगार हो, शहर को नई दिशा देने वाला हो, नागरिकों की सुख-सुविधाएं बढ़ाने वाला हो, शहर को सुंदर, स्वच्छ और सुविधापूर्ण बनाने वाला हो।

शहर जिला भाजपा के 16 मंडलों की कार्यकारिणी तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन के चुनाव के बाद अब मंडल स्तर से कार्यकारिणी बनाने का काम चल रहा है। रायपुर शहर जिले में इस बार से 16 के स्थान पर 20 मंडल कर दिए गए हैं। पुराने 16 मंडलों की कार्यकारिणी तो लगभग तय हो गई और अनुमोदन के लिए जिला संगठन के पास पहुंच गई है। अब बचे चार मंडलों की कार्यकारिणी के आने के बाद जब सभी मंडलों की कार्यकारिणी का ऐलान हो जाएगा, तब इसके बाद जिले की टीम बनाने का काम किया जाएगा। जिले की टीम को अनुमोदन के लिए प्रदेश संगठन के पास भेजा जाएगा। प्रदेश भाजपा संगठन में बूथ कमेटियों के गठन, मंडलों और जिलों के चुनाव दिसंबर में समाप्त हो गए। इसके बाद भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष का भी चुनाव 17 जनवरी को हो गया। इसके बाद फरवरी तक तो कार्यकारिणी को लेकर कोई कवायद नहीं हुई, लेकिन मार्च में पहले मंडल और जिलों की कार्यकारिणी बनाने का ऐलान किया गया, लेकिन मार्च में मंडलों की कार्यकारिणी पूरी न होने पर अप्रैल का समय दिया गया तो भी कार्यकारिणी नहीं बन सकी।

रायपुर में चार मंडल बचे

प्रदेश भाजपा के पहले प्रदेश में 405 मंडल थे, इनमें इजाफा कर अब 476 मंडल बना दिए गए हैं। रायपुर शहर में पहले 16 मंडल थे, यहां अब 20 मंडल कर दिए गए हैं। रायपुर के मंडल अध्यक्षों का ऐलान भी बहुत देर से हुआ है। अब मंडलों की कार्यकारिणी बनाने की कवायद चल रही है। शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर के मुताबिक, जिला संगठन के पास 16 मंडलों की कार्यकारिणी अनुमोदन के लिए आ गई है। इसे अंतिम रूप देने का काम चल रहा है। जल्द ही इसका ऐलान कर देंगे। चार और मंडलों की कार्यकारिणी भी जल्द अनुमोदन के लिए आ जाएगी। सभी मंडलों की कार्यकारिणी बनने के बाद जिले की कार्यकारिणी बनाने का काम किया जाएगा। इसको बनाने के बाद अनुमोदन के लिए प्रदेश संगठन के पास भेजेंगे। वहां से अनुमोदन होने के बाद इसका ऐलान किया जाएगा।

तिल्दा नेवरा पशु चिकित्सालय में 42 दिन की पप्पी की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

■ लापरवाही बनी जानलेवा

तिल्दा नेवरा के पशु चिकित्सालय में डॉक्टरों की कथित लापरवाही ने एक मासूम पप्पी की जान ले ली। महज 42 दिन की एक पामेलियन नस्ल की पप्पी की मौत ने पशु सेवा और अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नेवरा निवासी शरद वर्मा ने बताया कि दिनांक 3 मई को सुबह 9:30 बजे पामेलियन पप्पी का स्वास्थ्य खराब होने पर नेवरा स्थित पशु चिकित्सालय इलाज कराने ले गया,। वहां पर इनकी स्थिति जानने के बावजूद मात्र सिरप पिलाना है, ठीक हो जाएगा कहकर कुछ भी चेक किए बिना, मेडिकल से दवाई लेकर इनको पिलाना है कहकर विशेष ध्यान नहीं दिया गया। बल्कि हालात जस का तस बना रहा हम लोग घर में इनके बताए अनुसार दिन में तीन बार 1- 1 एम एल दवाई डॉगी को पिलाते रहे उनके बताए अनुसार परहेज के साथ रखे रहे,किन्तु डॉगी की हालात नाजुक होते देख फिर से आज दिनांक सोमवार को सुबह 8.30 बजे डॉक्टर आरएस वर्मा नेवरा पशु चिकित्सालय नेवरा में डॉगी की ईलाज के लिए गए। डॉक्टर मेडिकल से दवाई, इंजेक्शन लाने कहा एवं 9:30 बजे चिकित्सालय में अन्य डॉक्टर लोग आ जाएंगे वहां पर इनको ड्रिप चढ़ाएंगे कहा गया।

इलाज के लिए तरसता रहा पप्पी

डॉक्टर आरएस वर्मा, अशोक कश्यप, कंपाउंडर एवं एक महिला कर्मचारी उपलब्ध थी। वहीं पर पुनीत मिश्रा नामक ट्रेनर डॉक्टर अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर पास के गांव में अपने किसी परिचित के शादी घर में उत्सव में शामिल होने गया था, जो कि इसी पर यहां के डॉक्टर डॉगी के इलाज कराने आश्रित थे। एक दो बार फोन उठाया आ रहा हूं कहा की हम लोग डॉगी के इलाज के लिए उनको देखते रहे दवाईयां मौजूद था अस्पताल में सीनियर डॉक्टर मौजूद थे फिर भी इलाज के लिए डॉगी तरसते रहा। समय पर ड्रिप नहीं चढ़ाए, इलाज ही नहीं किया केवल शादी में गए डॉक्टर को आने दो करके एक मासूम डॉगी की जिंदगी से खिलवाड़ कर गए। यहां के वेटनरी डॉक्टर ऐसे तैसे 2:45 बजे दोपहर बिना इलाज किए, अस्पताल होने के बावजूद घोर लापरवाही के चलते इलाज के अभाव में मासूम डॉगी, दवाइयों की उपलब्धता होने के बावजूद, पशु चिकित्सालय अस्पताल के गैर जिम्मेदाराना रवैए के चलते अंतिम सांसों में इस कलियुगी दुनिया से बिदा हो गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा की ऐसे डाक्टरों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

भागवान भरोसे चल रहा चिकित्सालय

पशु चिकित्सक डॉक्टर आरएस वर्मा ने इस मामले पर कुछ भी बोलने से साफ इंकार कर दिए। वहीं आसपास के लोगों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि इंदिनी पशु चिकित्सालय भगवान भरोसे चल रहा है।

सुशासन तिहार ढकोसला, जनता को कोई लाभ नहीं मिलने वाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सुशासन तिहार ढकोसला है, जनता को इससे कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बढ़ते अपराध, यातायात समस्या, शिक्षक भर्ती और लचर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर पत्र लिखे हैं। सुशासन तिहार के पहले दूसरे चरण में आम जनता की समस्याओं से संबंधित लगभग 40 लाख आवेदन आए थे। मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में इसके पहले 75000 से अधिक आवेदन आए थे, जिसका आज तक निराकरण नहीं हुआ। फिर, कहां है सुशासन? ऐसे में सुशासन तिहार के तीसरे चरण का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा, प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल से हताश और परेशान हो गई है। किसान, मजदूर, व्यापारी, महिलाएं, छात्र, युवा, हर वर्ग हताश और परेशान है, अपनी समस्याओं को लेकर दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं और जिम्मेदार तिहार मना रहे हैं। भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रदेश में सारी व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं।

नियमितीकरण की 50 फीसदी राशि संबंधित निकाय को मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा राजधानी के वीआईपी रोड स्थित निजी हॉटल में आयोजित दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम नगर सुराज संगम की शुरुआत सोमवार से हुई। कार्यक्रम में महापौर मीनल चौबे ने नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव और विभागीय सचिव के समक्ष नियमितीकरण से प्राप्त राशि में से 50 फीसदी राशि संबंधित नगरीय निकाय को दिए जाने की मांग की। उनका कहना है कि अवैध निर्माण के नियमितीकरण की प्रक्रिया में सारा काम नगर निगम के माध्यम से होता है। ऐसे में विकास कार्य के लिए नियमितीकरण से प्राप्त राशि का 50 फीसदी हिस्सा संबंधित निकाय को मिलनी चाहिए।

वर्तमान में नियमितीकरण से मिलने वाली राशि का पूरा हिस्सा राज्य शासन के पास जाता है। नगर सुराज संगम कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे नगर निगम के राजस्व में बढ़ोतरी विषय पर कहा कि गरीबों से टैक्स के रूप में मूलधन के साथ दोगुना ब्याज लगाकर वसूलना उचित नहीं है, उनसे केवल मूल राशि ही ली जाए। गरीबों के आवास आवंटन से पूर्व उनके आवास में पेयजल की व्यवस्था प्रमुखता से की जाए।

दिवंगत शिक्षकों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने का किया आग्रह

अनुकंपा नियुक्ति देने डॉ. रमन ने सीएम साय को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीगसढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर दिवंगत शिक्षक पंचायत एवं नगरीय संवर्ग के आश्रितों, परिजनों को योग्यतानुसार रिक्त पदों पर तृतीय व चतुर्थ श्रेणी में नियुक्ति दिए जाने का आग्रह किया है। डॉ. सिंह ने सीएम साय को लिखे पत्र में कहा है कि आवेदन पत्र का परीक्षण कराकर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। अपने पत्र में उन्होंने प्रभावित परिवारों के आश्रितों, परिजनों दयनीय स्थिति का जिक्र अपने पत्र में किया है। दिवंगत पंचायत शिक्षाकर्मी कल्याण संघ ने प्रदेश अध्यक्ष माधुरी मृगे के नेतृत्व में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात की। अनुकंपा नियुक्ति की लंबित मांग को लेकर दिवंगत

पंचायत शिक्षाकर्मी कल्याण संघ ने प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात की। संघ के प्रदेश अध्यक्ष माधुरी मृगे, प्रवक्ता प्रमोद चौबे, अमर कुमार गुप्ता, दीपक पटेल सहित अन्य सदस्यों ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा, ऐसे प्रभावित आश्रित व उनके परिजन, जो टैट परीक्षा उत्तीर्ण नहीं किए हैं, उन्हें तत्काल अनुकंपा नियुक्ति दिलाई जाए। प्रदेशभर में 1269 अनुकंपा नियुक्ति के आवेदक हैं, इनमें से केवल 27 लोगों को ही टैट परीक्षा उत्तीर्ण होने पर अनुकंपा नियुक्ति मिल पाई। अभी भी कई आवेदक ऐसे हैं, जो टैट परीक्षा उत्तीर्ण हैं, इन प्रभावित आश्रितों, परिजनों को योग्यतानुसार प्रयोगशाला शिक्षक सहायक ग्रेड-3 और सहायक ग्रेड-4 के पदों पर अनुंकपा नियुक्ति दी जाए, क्योंकि इनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। विधानसभा अध्यक्ष ने अनुकंपा नियुक्त जैसे संवेदनशील विषय का निराकरण करने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर समस्या के निराकरण की इच्छा जताई।

सांसद बृजमोहन, उप मुख्यमंत्री शर्मा-साव से की मुलाकात

दिवंगत पंचायत शिक्षाकर्मी कल्याण संघ ने मंत्री टंकराम वर्मा, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव और लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात कर अपनी लंबित मांग के प्रति ध्यान आकर्षित कराया।

बृजमोहन ने भी लिखा साय को पत्र

रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर पंचायत एवं नगरीय निकाय संवर्ग के दिवंगत शिक्षकों के 1242 आश्रित परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग की है। श्री अग्रवाल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि शिक्षाकर्मी कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के बैनर तले दिवंगत शिक्षकों के परिजनों ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राजधानी रायपुर के बूढ़ातालाब धरनास्थल पर 307 दिनों तक आंदोलन किया। श्री अग्रवाल ने बताया कि उस समय वे स्वयं, तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष डॉ. रमन सिंह एवं भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ इस आंदोलन में परिजनों के साथ खड़े थे तथा भाजपा ने सत्ता में आने पर जल्द से जल्द अनुकंपा नियुक्ति देने का वादा किया था। उन्होंने पत्र में जानकारी दी कि वर्तमान में मात्र 27 पात्र आवेदकों को ही अनुकंपा नियुक्ति दी गई है, जबकि लगभग 1242 आश्रित परिजन अब भी नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

समर कैम्प में दी यातायात नियमों की जानकारी

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प के तीसरे दिन यातायात नियमों की जानकारी देते हुए ट्रैफिक ट्रेनर टीके भोई ने कहा कि यातायात के सारे नियमों का पालन करना हमारा कर्तव्य है, जिससे हम स्वयं सुरक्षित रहकर दूसरों की भी मदद कर सकेंगे। यह हमारे जीवन की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। कभी भी शार्टकट के चक्कर में अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। उन्होंने बताया कि ज्यादातर दुर्घटनाएं चालक की लापरवाही से होती हैं।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर (छ:ग)

-: ईश्तहार :-

रा.प्र.क्र.-/ब-121/2024-25

ग्राम- रींवा, प.ह.नं.- 18, रा.नि.मं. मंदिर हसौद, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर

एतद् आपको सूचित किया जाता है कि, आवेदक कांतिबाई पिता झाड़ू निवासी ग्राम बीरगाँव, तहसील व जिला रायपुर के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि ग्राम- रींवा, प.ह.नं.- 18, रा.नि.मं.- मंदिर हसौद, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 289/10 रकबा 0.2020 हे. भूमि को आवेदक के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि का ऋण पुस्तिका आवेदक को पूर्व में प्राप्त हुआ था, जो असावधानी पूर्वक कहीं गुम हो गया है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि का डुप्लिकेट ऋण पुस्तिका जारी किए जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को दावा आपत्ति को तो वे इस न्यायालय मे दिनांक 16/05/2025 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 30/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
मंदिर हसौद

खबर संक्षेप

खमतराई आरंग में लगा शिविर, 75 मांग-शिकायतों का मौके पर निराकरण

रायपुर। सुशासन तिहार के तीसरे चरण के पहले दिन आरंग ब्लॉक के ग्राम खमतराई में लगाए गए समाधान शिविर में मौके पर 75 मांग व शिकायतों का निराकरण किया गया। इस शिविर में कुल 76 आवेदन आए थे, जिनमें मात्र एक आवेदन ही ऐसा था, जिसका निराकरण नहीं हो पाया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि शिविर में आमजनों की समस्याओं का समाधान तिहार के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण के अंतर्गत आरंग ब्लॉक के ग्राम खमतराई में समाधान शिविर लगाया है, जिसे तिहार के रूप में मनाया। उन्होंने कहा कि इस शिविर में लर्निंग लाइसेंस, किसान किताब, आयुष्मान कार्ड सहित कई तरह की मांग के अलावा शिकायत भी की गई। इन सभी मांग व शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। इस दौरान जनपद पंचायत के अध्यक्ष, स्थानीय जनप्रतिनिधि, एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन समेत विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

किशोर न्याय : लंबित मामलों की समीक्षा के लिए बनी समिति

रायपुर। किशोर न्याय से संबंधित लंबित प्रकरणों की संख्या, लंबित रहने की अवधि, लंबित रहने की प्रकृति और इसके कारणों के पुनर्विलोकन के लिए राज्य सरकार ने एक समिति का गठन किया है। यह समिति हर 6 महीने में एक बैठक करेगी ओर किशोर न्याय अधिनियम 2015 के प्रावधान के अनुरूप काम करेगी। ये है समिति : राज्य सरकार द्वारा गठित समिति में अध्यक्ष राज्य विधिक सेवा के कार्यपालक समिति के अध्यक्ष होंगे। गृह विभाग के प्रमुख सचिव या गृह सचिव सदस्य, महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव सदस्य सचिव और अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट स्वैच्छिक या गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

एसबीआई संघ शिक्षा समिति के अध्यक्ष बने गुप्ता

रायपुर। रायपुर स्टेट बैंक अधिकारी संघ शिक्षा समिति अवंति विहार में 4 मई को सभी सदस्यों का 5 वर्ष के लिए विधिवत साधारण सभा में चुनाव संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी डीके पाण्डेय ने चुनाव कराया, जिसका सभी सदस्यों ने ध्वनिमत से स्वागत किया। चुनाव में अध्यक्ष रमेश गुप्ता, सचिव मुकेश पुरोहित, उपाध्यक्ष मिथिलेश शर्मा, कोषाध्यक्ष बीएल लुलिया चुने गए। सभी सदस्यों ने पदभार ग्रहण कर लिया।

कॉलोनी में तबेला, चारा-पानी के लिए सड़कों पर छोड़ी जा रही भैंसें

रायपुर। राजधानी रायपुर के कई वार्डों की बस्ती, मोहल्ले व कॉलोनियों में शहरवासी जहां आवारा मवेशियों एवं कुत्तों से परेशान हैं, वहीं कई मोहल्ले व कॉलोनियों में प्रतिबंध के बाद भी कई लोग भैंसें पाल रहे हैं, जिसके कारण आम लोगों को परेशान होना पड़ रहा हैं। महावीर नगर, अमलीडीह इलाके में झुंड में घूम रहे आवारा मवेशी अब यहां रहने वाले लोगों की परेशानी का कारण बन चुके हैं। प्रतिबंध होने के बाद भी इस इलाके में कुछ दुग्ध के व्यापारी अवैध रूप से तबेला बनाकर भैंसों का पालन कर रहे हैं। इन भैसों को सुबह-शाम चारा-पानी के लिए सड़कों पर छोड़ दिया जा रहा है, जिसके कारण आम लोगों को न केवल आवागमन में परेशानी होती है, बल्कि कई दोपहिया वाहन सवार इन भैंसों के कारण गिरकर घायल भी हो चुके हैं।

सरप्लस धान बेचने दाम तय, राज्य सरकार को होगा 800 करोड़ का घाटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में धान 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा गया। सरप्लस धान की नीलामी के पहले चरण में बेस रेट पर धान बेचने से प्रति क्विंटल लगभग 1200 रुपए का नुकसान हो रहा है। आगे चलकर प्रति क्विंटल नुकसान का आंकड़ा बढ़ सकता है। धान की नीलामी से लगभग 7 से 8 सौ करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में खरीदे गए 149 लाख टन से सरप्लस धान की नीलामी के लिए राज्य सरकार ने बेस रेट तय किया है। बेस रेट से कम दर आने के कारण कई लगभग 33 लाख मीट्रिक टन धान के लिए दोबारा टेंडर कर बोली लगाई जाएगी। 13 मई तक चलने वाली बोली के बाद इसका निराकरण होगा। बताया जाता है कि राज्य सरकार ने 3100 रुपए में खरीदे गए धान को 1900 रुपए से 2100 रुपए की दर पर बेचने रेट तय किया था। अधिकांश व्यापारियों ने पहली बोली में धान के लिए 1400 रुपए से 1700 रुपए तक की बोली लगाई थी।

- बेस रेट से कम दर पर बोली लगा रहे व्यापारी, ढाई लाख टन धान बिका
- 33 लाख टन के लिए 13 मई तक बोली लगाई जाएगी

सरकार ने प्रदेश में किसानों से 3100 रुपए क्विंटल की दर पर धान की खरीदी की है। 149 लाख टन धान की खरीदी और कस्टम मिलिंग के बाद सरप्लस लगभग 35 लाख टन धान की नीलामी का फैसला सरकार ने लिया है। मार्कफेड ने इसके लिए टेंडर बुलाए थे, और दो श्रेणी के धान के लिए 1900 से 2150 रुपए प्रति क्विंटल की दर तय की थी, मगर अधिकांश व्यापारियों ने 14-15 सौ से लेकर 17-18 सौ रुपए प्रति क्विंटल तक की बोली लगाई थी। टेंडर खुलने के बाद सरकार ने 1900 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान बेचने पर सहमति बनाई है। 1900 और उससे अधिक कीमत लगाने वाले व्यापारियों के पास केवल ढाई लाख टन धान ही खपाया जा सका है।

दूसरे चरण का टेंडर जारी

मार्कफेड से मिली जानकारी के अनुसार, निर्धारित राशि पर ढाई लाख टन धान के लिए ही बोली आई है। बाकी बचे धान के लिए दूसरे चरण का टेंडर आमंत्रित किया गया है। 13 मई तक इसके लिए बोली लगाई जा सकती है।

उपार्जन केंद्रों में 1.27 लाख टन धान जाम

दरअसल किसानों से खरीदे गए धान में से 1.27 लाख टन 29 उपार्जन केंद्रों में खुले में पड़ा है। उपार्जन केंद्रों के रखरखाव में लापरवाही के चलते धान बारिश में भीग जाता है। ऐसे में व्यापारी नमी वाले धान की कम कीमत लगाएंगे। टेंडर में कम दर आने पर धान की नीलामी से बड़ा नुकसान होना स्वाभाविक है।

भरपूर आवक के साथ प्याज की लोकल फसल से घटे दाम

आलू-प्याज में मिली राहत, पांच बरस की पुरानी कीमत पर पहुंची, चिल्हर में 20 रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आलू और प्याज के दाम करीब पांच साल बाद चिल्हर में अब जाकर 20 रुपए हो गए हैं। प्याज तो कई सालों से रुलाने का काम कर रहा है, पर आलू ने भी बीते साल रुला दिया था, जब बंगाल से आने वाले आलू पर वहां की ममता बनर्जी सरकार ने बैन लगा दिया था, लेकिन अब बंगाल के साथ उत्तरप्रदेश से भी भरपूर आवक होने से आलू के दाम जमीन पर आ गए हैं। इसी के साथ प्याज की लोकल फसल के साथ ही महाराष्ट्र से आ रही भरपूर आवक के कारण प्याज की कीमत भी वापस कम हो गई है। प्याज जहां थोक में 8 से 14 रुपए तक बिक रहा है, वहीं आलू के दाम थोक में 15 से 17 रुपए हैं।

प्याज के दाम ने बीते पांच साल से बहुत परेशान किया। बीते साल की ही बात करें तो अक्टूबर-नवंबर में प्याज की कीमत थोक में 60 से 65 रुपए और चिल्हर में 80 रुपए थी। प्याज के दाम सौ रुपए के पार भी जा चुके हैं। कोरोनाकाल के बाद तो हर सामान में महंगाई की मार रही है। ऐसे में भला प्याज कैसे अछूता रहता।

इस साल भी प्याज के दाम प्रदेश में 40 से 50 रुपए रहे हैं, लेकिन अब इसकी कीमत बहुत कम हो गई। कारोबारियों के मुताबिक अप्रैल-मई में लोकल फसल के आने के बाद इसके दाम बहुत कम हो जाते हैं। इस बार ऐसा हुआ है। प्याज थोक में आठ रुपए से प्रारंभ होकर अच्छी क्वालिटी का 14 रुपए है। ऐसे में चिल्हर में हर बाजार में इसकी कीमत 20 रुपए है। सालों बाद अब ठेलों पर भी शहर में हर जगह प्याज और आलू बिकते दिख रहे हैं।

> **कीमत पहले जैसी**
> आमतौर पर आलू और प्याज के दाम चिल्हर में भी 20 रुपए के आसपास रहते हैं। अब इनकी कीमत वापस वही हो गई है। आलू और प्याज की रायपुर के साथ प्रदेश की सभी मंडियों में भरपूर आवक हो रही है।
> **- अजय अग्रवाल**, अध्यक्ष, भनपुरी, आलू-प्याज संघ

आलू बंगाल के बैन से मुक्त

बीते साल आलू ने पहली बार बहुत ज्यादा रुलाने का काम किया। आलू की कीमत आमतौर पर 20 रुपए के आसपास ही रहती है। इसी के साथ बहुत हुआ तो इसके दाम 25 से 30 रुपए तक ही जाते हैं, लेकिन बीते साल आलू की कीमत चिल्हर में 50 से 60 रुपए तक गई। इसके पीछे का कारण यह रहा है कि बीते साल दो बार पश्चिम बंगाल सरकार ने आलू पर बैन लगा दिया था। ममता सरकार ने राज्य के आलू उत्पादकों और कारोबारियों से साफ कह दिया था, दूसरे राज्यों में आलू नहीं जाएगा। ऐसे में आलू के दाम आसमान पर चले गए। आलू के लिए प्रदेश को उप्र पर निर्भर रहना पड़ा। वैसे उप्र का आलू रायपुर संभाग में ज्यादा नहीं बिकता, लेकिन उप्र के आलू के भरोसे ही लंबे समय से रायपुर संभाग भी चला। अब बंगाल में नई फसल आने के बाद इस साल वहां से आलू की भरपूर आवक होने के कारण दाम कम हो गए हैं।

बैज ने कहा

सुशासन तिहार ढकोसला, जनता को कोई लाभ नहीं मिलने वाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सुशासन तिहार ढकोसला है, जनता को इससे कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बढ़ते अपराध, यातायात समस्या, शिक्षक भर्ती और लचर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर पत्र लिखे हैं।

- सांसद के पत्र और जनता के 40 लाख आवेदनों का निराकरण नहीं

सुशासन तिहार के पहले दूसरे चरण में आम जनता की समस्याओं से संबंधित लगभग 40 लाख आवेदन आए थे। मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में इसके पहले 75000 से अधिक आवेदन आए थे, जिसका आज तक निराकरण नहीं हुआ। फिर, कहां है सुशासन? ऐसे में सुशासन तिहार के तीसरे चरण का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा, प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल से हताश और परेशान हो गई है। किसान, मजदूर, व्यापारी, महिलाएं, छात्र, युवा, हर वर्ग हताश और परेशान है, अपनी समस्याओं को लेकर दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं और जिम्मेदार तिहार मना रहे हैं। भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रदेश में सारी व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। बिजली कटौती, पेयजल की समस्या, शिक्षकों की कमी, युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं, व्यापारी अनियमित जीएसटी से परेशान हैं। प्रदेश में मात्र 33 प्रतिशत स्टील उद्योग चल रहे हैं, बाकी महंगी बिजली एवं प्रशासनिक अराजकता के चलते बंद हो गए हैं। 500 रुपए में गैस सिलेंडर का वादा जुमला निकला। रोज नए नियम लागू कर जनता को परेशान किया जा रहा है। क्या यही सुशासन है? उन्होंने कहा, भाजपा की सरकार बनने के बाद सिर्फ भाजपा नेताओं के लिए सुशासन है, कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार जोरों पर है। कोई ऐसा विभाग नहीं बचा, जहां भाजपा के बिचौलिए न हों।

नगर सुराज संगम शुरू

डिप्टी सीएम साव ने किया शुभारंभ नगरीय निकायों के लिए बनेगी पांच साल की कार्ययोजना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम-सह-कार्यशाला नगर सुराज संगम का शुभारंभ किया। कार्यशाला के पहले दिन सोमवार को प्रदेश के सभी नगर निगमों के महापौरों, सभापतियों, एमआईसी सदस्यों और वरिष्ठ अभियंताओं ने अपने-अपने निकायों की आगामी पांच वर्षों की कार्ययोजना पर मंथन किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इस दौरान सुनियोजित और सुव्यवस्थित विकास तथा शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने का रोडमैप साझा किया। उन्होंने पीपीटी (पावर पाइंट) प्रेजेंटेशन के माध्यम से संसाधनों के बेहतर उपयोग, नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा शहर को सुविधापूर्ण बनाने देश-विदेश में स्थानीय स्वशासनों द्वारा किए जा रहे नवाचारों की भी जानकारी दी।

अब शहर को देने की बारी

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगर सुराज संगम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में हाल ही में संपन्न नगरीय निकायों के चुनाव में निर्वाचित होकर आने वाले जनप्रतिनिधियों पर जनता ने अपना भरोसा जताया है। शहर के विकास और वहां सुविधाएं जुटाने का बड़ा काम आप लोगों को सौंपा है। आपके शहर ने आपको भरपूर स्नेह, मान-सम्मान और संस्कार दिया है। आपकी कर्मस्थली, आपके शहर ने आपको बहुत कुछ दिया है, अब शहर को देने की बारी आपकी है। आप लोग अपने-अपने शहरों में अपने कार्यकाल में ऐसा काम करें जो यादगार हो, शहर को नई दिशा देने वाला हो, नागरिकों की सुख-सुविधाएं बढ़ाने वाला हो, शहर को सुंदर, स्वच्छ और सुविधापूर्ण बनाने वाला हो। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से कहा कि आपके शहरों से प्रदेश की छवि बनती है। आप लोग प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर शहरों का सुनियोजित और सुव्यवस्थित विकास करें।

सचिव ने दी योजनाओं की जानकारी

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजू एस. ने नगर सुराज संगम में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को केंद्र व राज्य सरकार तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) की योजनाओं की जानकारी देने इसका आयोजन किया गया है। इस दौरान नगरीय निकायों से संबंधित अधिनियमों और उनके महत्वपूर्ण प्रावधानों की भी जानकारी दी जाएगी। यह संगम दोनों तरफ से संवाद का मंच है। इस मंच के माध्यम से आप लोग नगरीय प्रशासन और विकास से जुड़ी अपनी शंकाओं और जिज्ञासाओं का समाधान कर सकते हैं। नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक आर. एक्का और सूडा के सीईओ शशांक पाण्डेय भी कार्यशाला में मौजूद थे। उद्घाटन सत्र में नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा तैयार की गई मार्गदर्शिका बुकलेट का विमोचन किया। इसमें विभाग से जुड़ी बुनियादी जानकारी के साथ ही केंद्र व राज्य प्रवर्तित योजनाओं, विभाग द्वारा शहरी नागरिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं तथा विभागीय उपलब्धियों की जानकारी दी गई है। कार्यशाला के पहले दिन नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य ने नगरीय प्रशासन से संबंधित अधिनियमों और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। सूडा के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुष्यंत कुमार रायस्त ने सूडा द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया।

नियमितीकरण की 50 फीसदी राशि संबंधित निकाय को मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा राजधानी के वीआईपी रोड स्थित निजी हॉटल में आयोजित दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम नगर सुराज संगम की शुरुआत सोमवार से हुई। कार्यक्रम में महापौर मीनल चौबे ने नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव और विभागीय सचिव के समक्ष नियमितीकरण से प्राप्त राशि में से 50 फीसदी राशि संबंधित नगरीय निकाय को दिए जाने की मांग की। उनका कहना है कि अवैध निर्माण के नियमितीकरण की प्रक्रिया में सारा काम नगर निगम के माध्यम से होता है। ऐसे में विकास कार्य के लिए नियमितीकरण से प्राप्त राशि का 50 फीसदी हिस्सा संबंधित निकाय को मिलनी चाहिए। वर्तमान में नियमितीकरण से मिलने वाली राशि का पूरा हिस्सा राज्य शासन के पास जाता है।

नगर सुराज संगम कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे नगर निगम के राजस्व में बढ़ोतरी विषय पर कहा कि गरीबों से टैक्स के रूप में मूलधन के साथ दोगुना ब्याज लगाकर वसूलना उचित नहीं है, उनसे केवल मूल राशि ही ली जाए। गरीबों के आवास आवंटन से पूर्व उनके आवास में पेयजल की व्यवस्था प्रमुखता से की जाए।

शहर जिला भाजपा के 16 मंडलों की कार्यकारिणी तय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन के चुनाव के बाद अब मंडल स्तर से कार्यकारिणी बनाने का काम चल रहा है। रायपुर शहर जिले में इस बार से 16 के स्थान पर 20 मंडल कर दिए गए हैं। पुराने 16 मंडलों की कार्यकारिणी तो लगभग तय हो गई और अनुमोदन के लिए जिला संगठन के पास पहुंच गई है। अब बचे चार मंडलों की कार्यकारिणी के आने के बाद जब सभी मंडलों की कार्यकारिणी का ऐलान हो जाएगा, तब इसके बाद जिले की टीम बनाने का काम किया जाएगा। जिले की टीम को अनुमोदन के लिए प्रदेश संगठन के पास भेजा जाएगा। प्रदेश भाजपा संगठन में बूथ कमेटियों के गठन, मंडलों और जिलों के चुनाव दिसंबर में समाप्त हो गए। इसके बाद भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष का भी चुनाव 17 जनवरी को हो गया। इसके बाद फरवरी तक तो कार्यकारिणी को लेकर कोई कवायद नहीं हुई, लेकिन मार्च में पहले मंडल और जिलों की कार्यकारिणी बनाने का ऐलान किया गया, लेकिन मार्च में मंडलों की कार्यकारिणी पूरी न होने पर अप्रैल का समय दिया गया तो भी कार्यकारिणी नहीं बन सकी। अब मई में मंडलों और जिलों की कार्यकारिणी बनाने की कवायद तेज कर दी गई है।

रायपुर में चार मंडल बचे

प्रदेश भाजपा के पहले प्रदेश में 405 मंडल थे, इनमें इजाफा कर अब 476 मंडल बना दिए गए हैं। रायपुर शहर में पहले 16 मंडल थे, यहां अब 20 मंडल कर दिए गए हैं। रायपुर के मंडल अध्यक्षों का ऐलान भी बहुत देर से हुआ है। अब मंडलों की कार्यकारिणी बनाने की कवायद चल रही है। शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर के मुताबिक, जिला संगठन के पास 16 मंडलों की कार्यकारिणी अनुमोदन के लिए आ गई है। इसे अंतिम रूप देने का काम चल रहा है। जल्द ही इसका ऐलान कर देंगे। चार और मंडलों की कार्यकारिणी भी जल्द अनुमोदन के लिए आ जाएगी। सभी मंडलों की कार्यकारिणी बनने के बाद जिले की कार्यकारिणी बनाने का काम किया जाएगा। इसको बनाने के बाद अनुमोदन के लिए प्रदेश संगठन के पास भेजेंगे। वहां से अनुमोदन होने के बाद इसका ऐलान किया जाएगा।

नए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने संभाला कार्यभार

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के अनुमोदन के बाद छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने कार्यभार ग्रहण करने के बाद सीईओ कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का परिचय प्राप्त कर उनके कार्यों के बारे में जाना। उन्होंने वर्तमान में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी ली। श्री कुमार ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से टीम भावना से काम करते हुए निर्वाचन में राज्य की उत्कृष्ट पहचान को बनाए रखने को कहा। नए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार को कार्यभार सौंपते हुए निवर्तमान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने कहा कि सीईओ का कार्यकाल उनके प्रशासनिक जीवन का सबसे लम्बा कार्यकाल रहा। राज्य शासन ने श्रीमती कंगाले की खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का सचिव बनाया है।

दिवंगत शिक्षकों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने का किया आग्रह

अनुकंपा नियुक्ति देने डॉ. रमन ने सीएम साय को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर दिवंगत शिक्षक पंचायत एवं नगरीय संवर्ग के आश्रितों, परिजनों को योग्यतानुसार रिक्त पदों पर तृतीय व चतुर्थ श्रेणी में नियुक्ति दिए जाने का आग्रह किया है। डॉ. सिंह ने सीएम साय को लिखे पत्र में कहा है कि आवेदन पत्र का परीक्षण कराकर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। अपने पत्र में उन्होंने प्रभावित परिवारों के आश्रितों, परिजनों दयनीय स्थिति का जिक्र अपने पत्र में किया है। दिवंगत पंचायत शिक्षाकर्मी कल्याण संघ ने प्रदेश अध्यक्ष माधुरी मृगे के नेतृत्व में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात की। अनुकंपा नियुक्ति की लंबित मांग को लेकर दिवंगत पंचायत शिक्षाकर्मी कल्याण संघ ने प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात की। संघ के प्रदेश अध्यक्ष माधुरी मृगे, प्रवक्ता प्रमोद चौबे, अमर कुमार गुप्ता, दीपक पटेल सहित अन्य सदस्यों ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा, ऐसे प्रभावित आश्रित व उनके परिजन, जो टैट परीक्षा उत्तीर्ण नहीं किए हैं, उन्हें तत्काल अनुकंपा नियुक्ति दिलाई जाए। प्रदेशभर में 1269 अनुकंपा नियुक्ति के आवेदक हैं, इनमें से केवल 27 लोगों को ही टैट परीक्षा उत्तीर्ण होने पर अनुकंपा नियुक्ति मिल पाई। अभी भी कई आवेदक ऐसे हैं, जो टैट परीक्षा उत्तीर्ण हैं, इन प्रभावित आश्रितों, परिजनों को योग्यतानुसार प्रयोगशाला शिक्षक सहायक ग्रेड-3 और सहायक ग्रेड-4 के पदों पर अनुंकपा नियुक्ति दी जाए, क्योंकि इनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। विधानसभा अध्यक्ष ने अनुकंपा नियुक्त जैसे संवेदनशील विषय का निराकरण करने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर समस्या के निराकरण की इच्छा जताई।

सांसद बृजमोहन, उप मुख्यमंत्री शर्मा-साव से की मुलाकात

दिवंगत पंचायत शिक्षाकर्मी कल्याण संघ ने मंत्री टंकराम वर्मा, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव और लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात कर अपनी लंबित मांग के प्रति ध्यान आकर्षित कराया।

बृजमोहन ने भी लिखा साय को पत्र

रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर पंचायत एवं नगरीय निकाय संवर्ग के दिवंगत शिक्षकों के 1242 आश्रित परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग की है। श्री अग्रवाल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि शिक्षाकर्मी कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के बैनर तले दिवंगत शिक्षकों के परिजनों ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राजधानी रायपुर के बूढ़ातालाब धरनास्थल पर 307 दिनों तक आंदोलन किया। श्री अग्रवाल ने बताया कि उस समय वे स्वयं, तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष डॉ. रमन सिंह एवं भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ इस आंदोलन में परिजनों के साथ खड़े थे तथा भाजपा ने सत्ता में आने पर जल्द से जल्द अनुकंपा नियुक्ति देने का वादा किया था। उन्होंने पत्र में जानकारी दी कि वर्तमान में मात्र 27 पात्र आवेदकों को ही अनुकंपा नियुक्ति दी गई है, जबकि लगभग 1242 आश्रित परिजन अब भी नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

23 जिलों में आरटीई सीटों के लिए निकाली लॉटरी, 10 जिलों में अभी इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अलग खबर

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सोमवार को आरटीई की पहली लॉटरी निकाली गई। पहले चरण की लॉटरी के जरिए 23 जिलों की आरटीई सीटों का आबंटन छात्रों को किया गया। इन 23 जिलों में 5515 स्कूलों में आरटीई की 44 हजार 54 सीटें हैं। इसके लिए 96 हजार 178 आवेदन मिले थे। दस्तावेज सत्यापन के बाद इनमें से 65 हजार 17 आवेदनों को ही स्वीकृत किया गया। 35 हजार 59 सीटों के लिए छात्रों का चयन हो चुका है, जबकि 8995 सीटें अब भी रिक्त हैं। जिन जिलों में आरटीई सीटों का आवंटन किया गया है, उसमें रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव सहित बड़े जिले शामिल हैं।

शेष 10 जिलों के छात्र अब भी लॉटरी निकाले जाने और चयन का इंतजार कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, बचे रह गए जिलों और सीटों के लिए भी इस सप्ताह लॉटरी प्रक्रिया पूर्ण कर दी जाएगी। गौरतलब है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए छग के 33 जिलों के 6628 स्कूलों के लिए आवेदन मांगे गए थे। इन स्कूलों में 52 हजार 7 सीटों के लिए पालकों ने ऑनलाइन आवेदन किए। पालकों के एक लाख 5 हजार 372 प्राप्त हुए थे, जिसमें से दस्तावेज सत्यापन के बाद 69 हजार 553 आवेदन स्वीकृत हुए।

शेष 10 जिलों की आरटीई सीटों के लिए भी इस सप्ताह निकाली जाएगी लॉटरी

रायपुर में 425 सीटें रिक्त

राजधानी में आरटीई के अंतर्गत 834 निजी स्कूल सूचीबद्ध थे। इनमें 4 हजार 935 सीटें हैं, जिनमें छात्रों को शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत दाखिले दिए जाने हैं। इसके लिए 16 हजार 360 आवेदन प्राप्त हुए थे। दस्तावेज सत्यापन के बाद मात्र 10 हजार 368 आवेदनों को ही पात्र पाया गया। 4 हजार 510 सीटों का आवंटन सोमवार को निकाली गई लॉटरी से हो चुका है, जबकि 425 सीटें अब भी रिक्त हैं। लोक शिक्षण संचालनालय के नवा रायपुर स्थित कार्यालय में यह लॉटरी निकाली गई। प्रथम चरण की लॉटरी निकाले जारी के दौरान लोक शिक्षण संचालक ऋतुराज रघुवंशी, उप संचालक आशुतोष चौरे, निजी स्कूल संघ के अध्यक्ष राजीव गुप्ता सहित पालक उपस्थि रहे।

शक्कर कारखानों का निजीकरण किसान विरोधी फरमान

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने राज्य सरकार द्वारा सहकारी शक्कर कारखानों के निजीकरण के फैसले को किसानों के साथ अन्यायपूर्ण और तुगलकी फरमान बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, सूरजपुर, बालोद और अब कवर्धा के पंडरिया स्थित शक्कर कारखानों के निजीकरण का सरकार का निर्णय हजारों गन्ना किसानों, मजदूरों और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी साबित होगा।

निधन

गणेश प्रसाद खेतान

रायपुर। अनुपम नगर निवासी गणेश प्रसाद खेतान (84) का 5 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 6 मई को शाम 4.30 बजे निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट जाएगी। वे बजरंग लाल के भाई एवं अरुण, अशोक, सपना, कैलाश के पिता थे।

प्रकाश बल्लेवार

रायपुर। साईं भवन सत्ती बाजार निवासी प्रकाश बल्लेवार का 4 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 5 मई को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे स्व. गणपत राव बल्लेवार के पुत्र, दीपक बल्लेवार के भाई और शशि, शशांक, धनंजय बल्लेवार के पिता थे।

राधा शर्मा

रायपुर। सुंदर नगर निवासी राधा शर्मा का 5 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 6 मई सुबह 11 बजे निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे श्याम सुंदर शर्मा की पत्नी, विष्णु शर्मा की माता थीं।

तुलसी मिश्रा

रायपुर। भनपुरी निवासी तुलसी मिश्रा का 4 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 5 मई को मुक्तिधाम में किया गया। वे विमला शर्मा की माता, राजेशधर दीवान और राकेशधर दीवान की नानी थीं।

मांगलिक अवसर पर उपहार देने की रस्में प्रभावित, अब विकल्प ढूंढ रहे

महंगाई का ऐसा असर, शादी-ब्याह में रिश्तेदारों को सोने के आभूषण देने की रस्म टूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सोने की महंगाई का ऐसा असर हुआ है कि अब शादी-ब्याह के रस्म-रिवाज तोड़ने पड़ रहे हैं। कई समाजों में शादी के दौरान सास-ससुर, दीदी-जीजा, फूफा-फूफी को सोने की आभूषण उपहार में देने की रस्म है, लेकिन सोने की महंगाई ने शादी-ब्याह जैसे शुभ मौके पर रिश्तेदारों की मेहमाननवाजी को फीका कर दिया है। सराफा बाजार में सोने के बढ़े दाम के कारण इस कारोबार पर कुछ ऐसा असर देखने को मिल रहा है। रायपुर सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों और कारोबारियों के मुताबिक, सोने की महंगाई ने ग्राहकों के रस्मो-रिवाज तक को तोड़ने मजबूर कर दिया है। ऐसे में ग्राहकों को अपने पसंद के गहने खरीदने एवं रिश्तेदारों की मेहमाननवाजी करने बजट के बारे में सोचना पड़ गया है। महंगाई के चलते ग्राहकों को सोने की मात्रा में कटौती करनी पड़ रही है। ग्राहक जो पहले अपने रिश्तेदारों को शादी-ब्याह में उपहार के रूप में सोने के आभूषण देने खरीदी करते थे, वे ग्राहक अब उपहार के लिए सोना नहीं खरीद रहे हैं। सोने की जगह चांदी या दूसरे उपहार, जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को विकल्प बना रहे हैं। स्पष्ट है कि महंगाई का असर तो साफतौर पर पूरे सराफा बाजार में सोने की मात्रा की खरीदी-बिक्री पर पड़ी है, पर सराफा एसोसिएशन का कहना है कि इस महंगाई के बीच अच्छी बात यह है कि ग्राहकों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। महंगाई के बावजूद भी ग्राहक कम मात्रा में ही सही, पर अपने बजट के मुताबिक सोना खरीदने पहुंच रहे हैं।

सराफा बाजार भाव

सोना कीमत/10ग्राम	कैरेट
98300 रुपए	24 कैरेट
90400 रुपए	22 कैरेट
82600 रुपए	20 कैरेट
चांदी कीमत/ प्रति किलोग्राम	
96800 रुपए	

सोने के बजाय अन्य उपहार दे रहे

सोने के भाव में बढ़ोतरी का असर यह हुआ है कि महंगाई के कारण ग्राहकों ने शादी-ब्याह जैसे शुभ अवसरों पर रिश्तेदारों को सोने के उपहार देना बंद कर दिया है। पहले खासकर शादियों में जिन ग्राहकों के यहां रिश्तेदारों को सोने के आभूषण उपहार में देने का रस्म रही हैं, वे अब सोना नहीं खरीद रहे। वे सोने की जगह चांदी या इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स खरीदना पसंद कर रहे हैं। ग्राहक का बजट तो वही है, पर सोना खरीदने की मात्रा में कटौती हो गई है।

- सुरेश भंसाली, अध्यक्ष, रायपुर सराफा एसोसिएशन

बजट के मुताबिक गहने उपलब्ध

रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व सराफा अध्यक्ष हरख मालू ने बताया कि महंगाई के चलते ग्राहक अपने बजट के मुताबिक कम वजन में आकर्षक गहनों की डिमांड कर रहे हैं। ऐसे में ग्राहकों की मांग के मुताबिक कम वजन में ही सोने के गहने बना रहे हैं। कम बजट में आकर्षक डिजाइनदार गले के हार, कंगन, अंगूठियां एवं अन्य सोने के गहनों की मांग पर शहर के अलावा पूरे प्रदेश में उपलब्ध करा रहे हैं।

अब तक 2 सौ करोड़ का व्यापार

रायपुर सराफा एसोसिएशन के मुताबिक, अब तक शादी-ब्याह के सीजन में राजधानी के सराफा बाजार में 100 करोड़ का सोने का कारोबार हुआ है। वहीं पूरे प्रदेश के सराफा बाजार की बात करें तो 200 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ है। अभी जुलाई महीने तक शादी -ब्याह का सीजन है, ऐसे में सराफा कारोबार में और बढ़ोतरी के संभावना व्यापारी लगाए हुए हैं।

कार्टूनिस्ट दिवस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव का बना लाइव कार्टून

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

देश की एकमात्र कार्टून पत्रिका कार्टून वॉच द्वारा कार्टूनिस्ट दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री अरुण साव का लाइव कार्टून पुणे से आए कार्टूनिस्ट राजेश नाइक ने बनाया। सिर्फ पांच मिनट में कार्टून बनाकर जब उन्होंने श्री साव को दिखाया तो वे जोर से हंस पड़े। इस अवसर पर श्री साव ने कहा कि, कार्टून वॉच के संपादक त्र्यंबक शर्मा के जुनून के कारण आज कार्टून के लिए हम सब मिले हैं और आज पूरे देश में कार्टून वॉच के कारण छत्तीसगढ़ को जाना जाता है। इस अवसर पर सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, पर्यटन एवं संस्कृति के संचालक विवेक आचार्य, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, राजेश गनोदवाले, आर. कृष्णा दास, जोसेफ जॉन, प्रवीण शुक्ला सहित अनेक लोगों ने अपना कार्टून बनवाया। आतंकवाद से नहीं डरेगा पर्यटक विषय पर कार्टून प्रदर्शनी को भी लोगों ने सराहा। प्रदर्शनी कल भी जारी रहेगी और शाम 4 से 6 के बीच कार्यशाला भी आयोजित होगी, जिसका ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा।

छात्रवृत्ति के 17 लाख से ज्यादा आवेदन, पांच लाख से ज्यादा निरस्त, 11 लाख को मिल रहा पैसा

रायपुर। गरीब वर्ग के श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में मदद के लिए राज्य सरकार मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। इस योजना में हर साल श्रमिक के बच्चों को शिक्षित बनाने आर्थिक सहायता के रूप में 5 सौ रुपए की छात्रवृत्ति दी जाती है। विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, प्रदेशभर से छात्रवृत्ति पाने के लिए 17 लाख 25 हजार से ज्यादा आवेदन किए गए थे, जिनमें 11 लाख 50 हजार 10 बच्चों को ही छात्रवृत्ति का लाभ मिल पा रहा है, वहीं 5 लाख से अधिक बच्चे इस योजना के लाभ से वंचित हैं। इधर विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जिन बच्चों को लाभ नहीं मिल पा रहा है, उनमें ज्यादातर अपात्र थे। वहीं कई आवेदनों में दस्तावेज ही पेश नहीं किए हैं। इस कारण उनके आवेदन निरस्त किए गए हैं।

पेज 11 के शेष

टूरिज्म में 'बार सेवा' से...

संख्या में पर्यटक चिल्फी घाटी की सैर के लिए जाते हैं। सप्ताहांत और छुट्टी के दिनों में रिसॉर्ट में ठहरने वाले पर्यटक एक दिन में 10 से 20 हजार की शराब पी जाते हैं। बार सेवा की सफलता को देखते हुए पर्यटन विभाग अब प्रदेश के चार अन्य रिसॉर्ट्स में भी ऐसी सुविधा देने की तैयारी में है। इसके लिए सभी जरूरी लाइसेंस भी तैयार कर लिए गए हैं। एक बीयर यहां 400 में दी जा रही है।

नई पॉस मशीन में...

है। बताया जाता है कि अधिकांश उपभोक्ताओं को माह अप्रैल का राशन नहीं मिल पाया। राज्य के 76 लाख परिवारों को लगभग 14000 राशन दुकानों से राशन वितरण किया जाता है। नई सरकार बनने के बाद पॉस मशीन बदलने का फैसला लिया गया। छोटी साइज की विजन टैक्स कंपनी की पॉस मशीनें दुकानों में उपलब्ध कराई गईं। बताया जाता है कि मशीन की कैप्चर कैपेसिटी अधिक है, पर मशीन में थंब कैप्चर नहीं के बराबर हो रहा है, जिससे दुकानदार एवं उपभोक्ता को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विभागीय अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई, तब पता चला कि आधार सीडिंग के सॉफ्टवेयर में परिवर्तन किया जा चुका है, जिससे थंब कैप्चर में समस्या आ रही है। आधार सीडिंग जिस संस्था ने किया है, उनके द्वारा पुनः थंब कैप्चर नहीं किया जाएगा, तब तक राशन वितरण में थंब कैप्चर की समस्या बनी रहेगी।

दिनभर गर्मी, रात में...

नजर आ रही थी। दोपहर होने के बाद बादल छंट गए और धूप ने अपना असर दिखाया और चौबीस घंटे में तापमान एक डिग्री बढ़कर 38.2 तक पहुंच गया। वहीं रात में बारिश होने से मौसम में थोड़ी ठंडक आने से राहत मिली। माना जा रहा है कि अगले तीन दिनों तक गर्मी में बढ़ोतरी होने की संभावना है और तापमान 40 डिग्री तक जाने के आसार हैं। प्रदेश में मई का पहला सप्ताह बिना गर्मी के बीत चुका है, आने वाले कुछ दिनों तक उतार-चढ़ाव के बाद गर्मी के तेवर नजर आने की संभावना भी बनी हुई है। मई महीने के अंतिम दिनों तक गर्मी अपने चरम पर पहुंचती है और अधिकतम तापमान का पारा 46-47 डिग्री तक जाता है।

टोल प्लाजा में टैक्स...

खड़ी मिली। इसके बाद कार मालिक ने बैंक जाकर जानकारी हासिल की तो बैंक प्रबंधन संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। कार से टोल टैक्स बिलासपुर सारागांव मार्ग स्थित भोजपुरी टोल प्लाजा से काटा गया है।

रीड नहीं होने पर...

डालते हैं। नंबर डालने में कोई गड़बड़ी हुई होगी, इस वजह से किसी दूसरे कार मालिक के फास्टैग से राशि कट गई होगी। संबंधित दिवस के सीसीटीवी फूटेज चेक कराने के बाद रकम वापस कराने की बात अफसर ने कही।

दो लाख में एक...

काम कर रहा था। सर्जरी और कुछ दिनों की निगरानी के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हार्ट सर्जन डॉ. कृष्णकांत साहू ने बताया कि यह एब्सटीन एनोमली नामक बीमारी से पीड़ित पांच मरीजों का अब तक यहां इलाज किया जा चुका है, जो तमाम हार्ट सेंटरों से अधिक है। उन्होंने बताया, यह बीमारी काफी दुर्लभ होती है, मगर इसका ऑपरेशन नहीं होने पर मरीज का जीवन काफी कम होता है। इस बीमारी का ऑपरेशन बहुत जटिल है एवं सफलता दर 10 प्रतिशत से भी कम है। महिला को सांस भरने, अत्याधिक तेज धड़कन की शिकायत के साथ कई बार बेसुध होने की समस्या भी होती थी। गर्भस्थ शिशु के प्रथम 6 माह में हृदय विकसित होता है। किसी कारणवश हृदय का विकास सही ढंग से नहीं हो पाता तो इस तरह की समस्या सामने आती है। सामान्यतः एब्स्टीन एनॉमली के 13 प्रतिशत मरीज जन्म लेते ही मर जाते हैं एवं 18 प्रतिशत मरीज 10 साल की उम्र एवं 25 से 30 साल की औसत उम्र तक ही जीवित रह पाते हैं। महिला मरीज के इलाज के लिए ओपन हार्ट सर्जरी की गई, जिसके लिए हार्ट लंग मशीन की सहायता से हृदय एवं फेफड़े के कार्य को रोका गया एवं खराब ट्राइकस्पिड वॉल्व की जगह में नए बोवाइन टिश्यू वॉल्व को लगाकर इन्ट्राकार्डियक रिपेयर किया गया। टिश्यू वॉल्व लगाने का फायदा यह है कि मरीज को जीवनभर खून पतला करने की दवा खाने की जरूरत नहीं होती। यह ऑपरेशन शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजनांतर्गत निशुल्क किया गया।

बिजनेस साइट

रायपुर में डिज्नीलैंड मेला बना गर्मी में सुकून और मनोरंजन का नया ठिकाना

'कश्मीर सिटी' बनी मुख्य आकर्षण, हजारों की भीड़ उमड़ रही है हर दिन

रायपुर। तपती गर्मी के बीच रायपुरवासियों के लिए राहत और मनोरंजन का अनूठा संगम रावणभाठा मैदान, भाठागांव स्थित अंतर्राज्यीय बस स्टैंड के पास डिज्नीलैंड मेले में देखने को मिल रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी मेला शहरवासियों के बीच चर्चा का केंद्र बना हुआ है, लेकिन इस बार का मुख्य आकर्षण कश्मीर सिटी है। करीब 2000 वर्गफीट में फैले इस भव्य डोम में बर्फ से ढंके पहाड़ों, झरनों, नदियों और जंगलों की जीवंत छवियों के जरिए कश्मीर की वादियों का अद्भुत अनुभव कराया जा रहा है। मनोरंजन प्रेमियों के लिए मेले में फन जोन भी आकर्षण का केंद्र है। स्क्रीम टॉवर और जाएंट व्हील राइड्स किशोरों में खासा लोकप्रिय हो रहा है, जहां दिनभर लंबी कतारें लगी रहती हैं। इसके अलावा ब्रेक डांस, डैशिंग कार, ड्रैगन झूला और मिनी ट्रेन जैसे राइड्स भी खूब पसंद किए जा रहे हैं।

'होप, हेल्थ, हैप्पीनेस' थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता

बालको मेडिकल सेंटर में स्कूली छात्रों ने दिखाई रचनात्मकता

रायपुर। नवा रायपुर स्थित अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल बालको मेडिकल सेंटर में 'होप, हेल्थ, हैप्पीनेस' विषय पर अंतर-विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस रचनात्मक पहल का उद्देश्य यह समझाना था कि स्कूली छात्र इन महत्वपूर्ण विचारों को किस तरह देखते हैं और उन्हें कला के माध्यम से कैसे व्यक्त करते हैं। इस प्रतियोगिता में रायपुर के नौ स्कूलों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने चित्रों के माध्यम से सकारात्मकता, मानसिक स्वास्थ्य, और जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण को अनोखे ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में छह विजेताओं को चुना गया, जिन्हें पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। विजेताओं को वेदांत मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की चिकित्सा निदेशक डॉ. भावना सिरोही, बालको मेडिकल सेंटर की सलाहकार डॉ. श्रेष्ठा तिवारी और डॉ. रश्मि राय ने सम्मानित किया।

हथकरघा व खादी वस्तुओं से सजा गॉस मेमोरियल मैदान, स्वदेशी महोत्सव बना आकर्षण का केंद्र

रायपुर। आकाशवाणी चौक स्थित गॉस मेमोरियल मैदान में इन दिनों स्वदेशी खादी महोत्सव की रौनक देखते ही बन रही है। देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों और बुनकरों द्वारा तैयार की गई हस्तशिल्प और हथकरघा वस्तुएं रायपुरवासियों को खूब लुभा रही हैं।प्रदर्शनी में मेरठ के खादी कुर्ते-शर्ट, लखनवी चिकनकारी, बनारसी सिल्क व कॉटन साड़ियां, कश्मीरी व जयपुरी सूट, गुजराती टॉप, खादी के गमछे व तौलिए, जयपुरी मुखवास और इमिटेशन ज्वेलरी, भदोही के कार्पेट, खुर्जा की क्रॉकरी और चेन्नापटनम के लकड़ी के खिलौनों सहित हजारों वैरायटी ग्राहकों के लिए सजी हुई हैं। महोत्सव में इस बार भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए सूती वस्त्रों की भरपूर व्यवस्था की गई है। कॉटन की साड़ियां, शर्ट, कुर्तियां, गमछे और अन्य परिधान बेहद किफायती दरों पर उपलब्ध हैं। साथ ही हथकरघा वस्तुओं पर 10% और हस्तशिल्प पर 20% तक की छूट दी जा रही है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक, रायपुर-16
तहसील व जिला रायपुर
सीमांकन सूचना

दिनांक 05/05/2025

प्रति,
1. श्रीमान प्रबंधक सी.एस.आई.डी.सी रायपुर
2. श्रीमान प्रबंधक सारदा एनर्जी एण्ड मिनरल्स लिमि. सिलतरा रायपुर
3. श्रीमान प्रबंधक जायसवाल निको सिलतरा रायपुर
4. श्री विक्रम सिंह जी (अधिकारिक प्ररिसमापक कार्पोरेट मिनिस्ट्री) संलग्न इलाहाबाद हाई कोर्ट

विषय- माननीय उच्च न्याया. इलाहाबाद द्वारा कंपनी पिटीशन क्र. 5/1998 In the matter of Rajinder Pipes Ltd. में पारित आ दि.- 9/04/2025 एवं सी.एस.आई.डी.सी के पत्र क्र./2025/608 रायपुर दिनांक 25/04/2025 संबंध में

संदर्भ- न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के सीमांकन आदेश/ज्ञापन क्र. 270वा/तह./2025 धरसींवा दिनांक 30/04/2025 के संदर्भ में।

उपरोक्त विषयांकित भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के संदर्भित ज्ञापन के परिपालन में नियत दिनांक 10/05/2025 को पूर्वान्ह 10.30 बजे से गठित दल द्वारा हल्का पटवारी के सहयोग से किये जाने हेतु नियत है

क्योंकि आप उक्त खसरा नंबर की भूमि के संलग्न भूमि धारक/ बटांकनधारी है। अतः उल्लेखित नियत दिनांक को पटवारी हल्का नंबर 22 के गिरौद स्थित कार्यालय में स्वयं या अपने अभिभाषक/वैद्य अभिकर्ता के माध्यम से अपनी भूमि के स्वत्व संबंधी आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर दस्तावेज के अनुरूप आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

सूचनापरांत अनुपस्थिति की स्थिति में भी सीमांकन कार्य किया जावेगा एवं पश्चात की गई आपत्ति अमान्य होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं रायपुर-16

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर -17 (बीरगांव) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

दिनांक 02.05.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती मेघा गुप्ता पति विशाल गुप्ता निवासी बजरंग नगर रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदित ग्राम सरोरा प.ह.न. 89 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर 17 (बीरगांव) स्थित भूमि खसरा नंबर 223/5, 223/16 रकबा क्रमशः 0.2030 हे., 0.1620 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक 223/ वाचक/ तह./ 2024-25 आदेश दिनांक 07.04.2025 के परिपालन में दिनांक 08.05.2025 को समय 01:00 pm बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 89 सरोरा के स्थित कार्यालय में दस्तावेज सहित स्वंय अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नही होगा। अतः सूचना जाने

राजस्व निरीक्षक मंडल
रायपुर-17 बीरगांव

ईश्तहार/ आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 08

वार्ड का नाम- डुमरतराई थोक बाजार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि डुमरतराई थोक बाजार वार्ड स्थित भवन/ भूमि दुकान क्र. 107 जो कि निगम अभिलेख में श्री/ श्रीमती पवन कुमार सितानी S/O स्व. साधुराम सितानी के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/ श्रीमती अजीत कुमार बत्रा S/O स्व.नंदलाल बत्रा ने मृत्यु प्रमाण पत्र/सहमति पत्र/शपथ पत्र/दान पत्र/ हिब्बानामा/ रजिस्ट्री के अनुसार पंजीकृत वसीयतनामा/ बिना पंजीकृत वसीयतनामा/ पंजीकृत बंटवारा नामा/ बिना पंजीकृत बंटवारा नामा/ पारिवारिक पंजीकृत एवं बिना पंजीकृत पारिवारिक व्यवस्था पत्र, वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर निगम पालिक अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत् नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नही की जावेगी, जिसके लिये यह कार्यालय जिम्मेदार नही होगा। सूचना जाने।

जोन कमिश्नर
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार/ आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 09

वार्ड का नाम- डुमरतराई थोक बाजार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि डुमरतराई थोक बाजार वार्ड स्थित भवन/ भूमि दुकान क्र. 83 जो कि निगम अभिलेख में श्री/ श्रीमती रामशरण अग्रवाल S/O स्व. जगतलाल अग्रवाल के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/ श्रीमती निधी जैन W/O कमल चंद जैन ने मृत्यु प्रमाण पत्र/सहमति पत्र/शपथ पत्र/दान पत्र/ हिब्बानामा/ रजिस्ट्री के अनुसार पंजीकृत वसीयतनामा/ बिना पंजीकृत वसीयतनामा/ पंजीकृत बंटवारा नामा/ बिना पंजीकृत बंटवारा नामा/ पारिवारिक पंजीकृत एवं बिना पंजीकृत पारिवारिक व्यवस्था पत्र, वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर निगम पालिक अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत् नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नही की जावेगी, जिसके लिये यह कार्यालय जिम्मेदार नही होगा। सूचना जाने।

जोन कमिश्नर
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार/ आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 07

वार्ड का नाम- डुमरतराई थोक बाजार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि डुमरतराई थोक बाजार वार्ड स्थित भवन/ भूमि दुकान क्र. 33 जो कि निगम अभिलेख में श्री/ श्रीमती विजय धावना S/O स्व.श्री चंद धावना के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/ श्रीमती राहुल जैन S/O राजेन्द्र कुमार जैन ने मृत्यु प्रमाण पत्र/सहमति पत्र/शपथ पत्र/दान पत्र/ हिब्बानामा/ रजिस्ट्री के अनुसार पंजीकृत वसीयतनामा/ बिना पंजीकृत वसीयतनामा/ पंजीकृत बंटवारा नामा/ बिना पंजीकृत बंटवारा नामा/ पारिवारिक पंजीकृत एवं बिना पंजीकृत पारिवारिक व्यवस्था पत्र, वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर निगम पालिक अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत् नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नही की जावेगी, जिसके लिये यह कार्यालय जिम्मेदार नही होगा। सूचना जाने।

जोन कमिश्नर
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

HEALTH TOWN

"संस्कारित मातृत्व का पथ - गर्भसंस्कार कार्यक्रम"
मातृत्व की यात्रा को बनाएं सकारात्मक और सशक्त
JOIN OUR SEMINAR
Mantras chanting | Yoga and exercise | Music therapy | garbh savand
रजिस्ट्रेशन के लिए स्कैन करें
www.shreyanayurveda.com
मो. 91119-12122, 91119-22122
Dr. Pallavi Kshirsagar

अहलूवालिया हॉस्पिटल
0771-4050006, 8103128515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
Dental & Consmetic Treatments

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

बार में मिल रही सभी ब्रांड की शराब, दुकानों से प्रचलित ब्रांड गायब, बीयर भी चुनिंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शराब की तस्करी रोकने शासन स्तर पर जहां एक ओर कीमत कम की गई है, वहीं सभी दुकानों में शराब का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने आबकारी विभाग को दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके विपरीत राजधानी की ज्यादातर शराब दुकानों में प्रचलित ब्रांड की शराब तथा बीयर का टोटा है। बार में सभी तरह की बियर तथा व्हिस्की पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

शहर की अलग-अलग शराब दुकानों का जायजा लेने पर कुछ चुनिंदा दुकानों में मैकडॉवेल, नंबर वन जैसे प्रचलित ब्रांड की उपलब्धता तो है, लेकिन मांग के अनुरूप स्टॉक नहीं है। इस संबंध में शराब दुकान के कर्मचारियों से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि ग्राहकों की मांग के अनुरूप ब्रांड की सूची वे संबंधित एजेंसी को देते हैं, लेकिन उनकी मांग के अनुरूप शराब की आपूर्ति नहीं हो पाती। इसके चलते ग्राहक विकल्प के रूप में किसी दूसरे ब्रांड की शराब लेने विवश होते हैं।

- मैकडॉवेल, आरएस, आरसी जैसे ब्रांड ज्यादातर दुकानों से गायब
- ग्रामीण क्षेत्रों में मैकडॉवेल जैसे ब्रांड का पर्याप्त स्टॉक

फाइल फोटो

ऑफ सीजन के बावजूद नहीं मिल रही रम

रम की डिमांड गर्मी के बजाय ठंड के दिनों में ज्यादा रहती है, ऐसे में गर्मी के दिनों में रम पीने वालों को उनकी पसंद के अनुरूप रम मिलनी चाहिए। शराब दुकानों में चर्चित ब्रांड की रम ओल्ड मंक, ब्लैकबेरी जैसे ब्रांड की रम नहीं मिल रही। पूरे सीजन में किसी भी शराब दुकानों में मैकडॉवेल नंबर वन की रम किसी भी शराब दुकान में नहीं मिली।

इन चर्चित ब्रांड का टोटा

शहर के ज्यादातर शराब दुकानों में व्हिस्की में मैकडॉवेल नंबर वन के साथ ही आरएस, आरसी, आईबी, एसी नीट, सिग्नेचर, ब्लैंडर स्प्राइड, ओक स्मिथ, ब्लैक एंड व्हाइट, जैमसन के साथ ही एंटी क्यूटी, एटपीएम ब्लैक, एसी ब्लैक जैसे ब्रांड की व्हिस्की नहीं मिल पा रही हे। इसी तरह से बियर में लोगों को हैवर्ड फाइव थाउजेंड, बटवाइजर जैसे चर्चित ब्रांड की बियर नहीं मिल रही है।

मॉनिटरिंग नहीं होने से परेशानी

शराब की बिक्री को लेकर आबकारी विभाग की टीम को मॉनिटरिंग का जिम्मा है। आबकारी विभाग द्वारा किन दुकानों में किस ब्रांड की मांग ज्यादा है, इसकी नियमित मॉनिटरिंग नहीं की जा रही है। इसके चलते दुकानों में चर्चित ब्रांड की शराब पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रही है। साथ ही बार संचालकों को उनकी मांग के अनुरूप सभी ब्रांड की व्हिस्की उपलब्ध कराई जा रही है। इस संबंध में आबकारी विभाग के अफसरों से संपर्क करने पर उनका कहना है कि महीने के प्रथम सप्ताह में चर्चित ब्रांड की शराब के स्टाक में कमी हो सकती है। बाकी दिनों में पर्याप्त मात्रा में सभी ब्रांड की शराब मिलने का उन्होंने दावा किया।

खबर संक्षेप

तीन दिवसीय निशुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर 8 से

रायपुर। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वावधान में स्वामी परमार्थदेव के सानिध्य में तीन दिवसीय निशुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सूर्या गार्डन हाउसिंग बोर्ड कालोनी, फेस-1, सेजबहार में 8 से 10 मई तक लगाया जाएगा। शिविर का समय तीनों ही दिन प्रातःकाल में सुबह 5 से 7 बजे तक है। प्राणायाम, आसन, ध्यानायाम व जीवनशैली पर विशेष रूप से मार्गदर्शन इस शिविर में दिया जाएगा। इस अवसर पर पतजंलि के चिकित्सकों द्वारा निशुल्क चिकित्सकीय परामर्श भी दिया जाएगा। शिविर में प्रवेश पूरी तरह से निशुल्क है।

अर्चना और पीयूष को मिला चिरायु का वरदान हृदयरोग से पीड़ित थे दोनों

रायपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं चिरायु योजना की मदद से पहली कक्षा में पढ़ने वाली अर्चना और सात महीने के पीयूष को नया जीवन मिल गया। दोनों हदय संबंधी समस्या से पीड़ित थे, जिनका इलाज एम्स और मुंबई के शिशु रोग अस्पताल में किया गया। सर्जरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों को हृदय रोग की समस्या से निदान मिल गया। ग्राम चिखली आरंग में रहने वाले आस कुमार प्रजापति की 7 वर्षीय बेटी अर्चना की हृदय गति असामान्य थी।

पेंशनरों की 5 सूत्रीय मांगें, 15 को होगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ द्वारा पेंशनरों की लंबित मांग को लेकर 15 मई को सभी जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन किया जाएगा। 5 सूत्रीय मांगा के प्रति शासन का ध्यान आकर्षित कराने सभी जिला मुख्यालय में कलेक्टर को मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ ने पेंशनरों ने अपने 5 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 15 मई को प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। महासंघ के प्रांत अध्यक्ष वीरेंद्र नामदेव बताया कि प्रदेश स्तरीय आंदोलन के संबंध में मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और सभी जिलों के कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को ऑनलाइन सूचना देकर अवगत करा दिया गया है।

सरोना स्टेशन पर चल रहा विकास कार्य 60 प्रतिशत काम पूरा

अमृत भारत के छोटे स्टेशनों में बड़ी सुविधा, रायपुर भिलाई के बीच सरोना बना अब बड़ा स्टेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना के तहत छोटे रेलवे स्टेशनों की तस्वीर अब तेजी से बदल रही है। रायपुर से लगे सरोना रेलवे स्टेशन पर अब यात्रियों को गर्मी में धूप में खड़े रहकर ट्रेन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यहां चार बड़े शेड लगाए जा चुके हैं, जिससे यात्रियों को खासी राहत मिल रही है। स्टेशन के आधुनिकीकरण का कार्य लगभग 60 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

हरिभूमि सरोकार

वर्तमान में एक नया फुट ओवरब्रिज बनाया जा रहा है, जो चौड़ाई में रायपुर स्टेशन से भी बड़ा होगा। हरिभूमि टीम जब सोमवार को स्टेशन पहुंची। यहां प्लेटफॉर्म की लंबाई बढ़ा दी गई है और पंखे, शुद्ध पानी, सोलर शेड जैसी कई आधुनिक सुविधाएं स्टेशन पर स्थापित की जा चुकी हैं। प्रवेश द्वार को भी आकर्षक रूप दिया जा रहा है, जिससे स्टेशन की पूरी सूरत बदल गई है। रेलवे के इस प्रयास से अब यात्रियों को एक बेहतर और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिलने की उम्मीद है।

छोटे स्टेशनों में आधुनिक सुविधा

रायपुर से भिलाई के बीच सरोना स्टेशन अब छोटे स्टेशनों में आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर एक नया उदाहरण बनता जा रहा है। सरस्वती नगर और कुम्हारी जैसे अन्य हाल्ट स्टेशनों की तुलना में सरोना अब कहीं अधिक विकसित हो चुका है। हर दिन यहां से 800 से अधिक यात्री ट्रेन से सफर करते हैं। यात्रियों की संख्या और सुविधाओं को देखते हुए रेलवे बोर्ड यहां कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज देने पर विचार कर सकता है। इससे यात्रियों को बड़ी ट्रेनों के लिए रायपुर जैसे मुख्य स्टेशन तक नहीं जाना पड़ेगा। स्टेशन पर न केवल प्लेटफार्म की संरचना में सुधार किया गया है, बल्कि बेहतर लाइटिंग, ट्रेन और कोच इंडिकेटर बोर्ड, साइनेज और अन्य यात्री सुविधाएं भी जोड़ी जा रही हैं।

शेड लगने से गर्मी में नहीं झेलनी पड़ रही धूप

वेटिंग हॉल के साथ सुरक्षा भी

स्टेशन पर वेटिंग हॉल, पार्किंग के साथ प्लेटफार्म में आधुनिक कैमरा भी लगाया जा रहा है। योजना के तहत अन्य स्टेशनों में भी फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट एस्केलेटर, सर्कुलेटिंग एरिया का उन्नयन, वेटिंग हॉल और टॉयलेट का उन्नयन, स्टेशन लाइटिंग में सुधार, साइनेज, ट्रेन एवं कोच इंडिकेटर बोर्ड, पार्किंग स्थान में वृद्धि, प्लेटफार्म एरिया का विस्तार, शेड, स्थानीय कला और संस्कृति के अनुसार स्टेशन के वाह्य स्वरूप का उन्नयन किया जा रहा है।

योजना में छत्तीसगढ़ के 21 स्टेशन शामिल

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ में 21 रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास व शिलान्यास किया जाना है, जिसमें सरोना, उरकुरा, मंदिर हसौद, हथबंध, निपनिया, भाटापारा, डोंगरगढ़, कोरबा, रायगढ़, राजनांदगांव, भिलाई नगर, बिल्हा, बैकुंठपुर रोड, अंबिकापुर, उसलापुर, पेंड्रारोड, जांजगीर-नैला, चांपा, बाराद्वार, दल्लीराजहरा, भानुप्रतापपुर और भिलाई स्टेशन शामिल हैं।

पढ़ाई छोड़कर विरोध में बैठे छात्र, कहा- 6.30 बजे नहीं पहुंच सकते, बढ़ाएं परीक्षा का समय

- रविवि ने सुबह 7 बजे से 10 बजे तक लेगा सेमेस्टर परीक्षाएं, आधे घंटे पहले पहुंचना होगा सेंटर
- कोर्स पूर्ण नहीं होने को लेकर भी नाराजगी, परीक्षा तिथि में वृद्धि की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा सेमेस्टर परीक्षाओं की तिथि जारी किए जाने के साथ ही छात्रों द्वारा समय और तिथि को लेकर विरोध भी शुरू हो गया है। रविवि द्वारा परीक्षा का समय प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों को सुबह 6.30 बजे पहुंचना होगा।

छात्रों का कहना है कि कई परीक्षार्थी काफी दूर से आते हैं। ऐसे में सभी के लिए सुबह 6.30 बजे तक केंद्र पहुंच जाना संभव नहीं है। ऐसे में परीक्षा की शुरुआत कम से कम प्रातः 8 बजे हो। इसके अलावा छात्र परीक्षा तिथि बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम अब तक पूर्ण नहीं हो सका है। एनएसयूआई के नेतृत्व में छात्रों ने यह विरोध-प्रदर्शन किया। लगभग एक घंटे चले इस प्रदर्शन के दौरान विवि के प्रशासनिक भवन का मुख्य द्वार बंद ही रहा। पुनेश्वर लहरे, रजत ठाकुर, अंकित बंजारे, हिमांशु तांडी, आलोक खरे समेत बड़ी संख्या में छात्रा प्रदर्शन में शामिल रहे। कुलसचिव से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने और आश्वासन मिलने के बाद ही छात्रों ने प्रदर्शन समाप्त किया।

पढ़ाने के लिए उपलब्ध कराएं शिक्षक

छात्रों ने कई विभागों में शिक्षक नहीं होने पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अध्ययन के लिए यथाशीघ्र शिक्षक उपलब्ध कराए जाएं ताकि वे परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। गौरतलब है कि विवि में लंबे समय से प्राध्यापक भर्ती प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अब तक ये पूर्ण नहीं हो पाई है। विश्वविद्यालय अध्ययनशाला के अलावा कई महाविद्यालयों में भी थोक में पद रिक्त हैं। इसके कारण प्रायोगिक कार्यों सहित सैद्धांतिक विषयों की पढ़ाई में भी छात्रों को दिक्कतें आ रही हैं।

रविवि ने बढ़ाई आवेदन तिथि

विवि अध्ययनशाला में संचालित पाठ्यक्रम के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षाओं की आवेदन तिथि में वृद्धि की गई है। पूर्व में इसके लिए 25 मार्च से 25 अप्रैल तक का समय छात्रों को दिया गया था। अब 6 मई से 12 मई तक छात्रों के लिए आवेदन पोर्टल फिर से खोल दिया गया है। गौरतलब है कि इस बार रविवि द्वारा प्रवेश परीक्षाएं ऑफलाइन मोड में लिए जाने की तैयारी है।

जेएन मेडिकल कॉलेज के डीन से दुर्व्यवहार, कम्युनिटी मेडिसिन के संविदा डॉक्टर को नोटिस

रायपुर। शासकीय जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी के साथ बदसलूकी करने के आरोप में कम्युनिटी मेडिसिन के संविदा डॉक्टर कमलेश जैन को नोटिस जारी किया गया है। डीन कार्यालय में हुई इस घटना के मामले में उनसे सात दिन के भीतर जवाब मांगा गया है। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। जारी नोटिस में इस बात का आरोप है कि सह प्राध्यापक डॉ. कमलेश जैन 30 अप्रैल को बिना अनुमति डीन डॉ. विवेक चौधरी के कार्यालय में प्रवेश कर गए और मौजूदा स्टाफ के सामने अनर्गल आरोप लगाकर दुर्व्यवहार करने लगे। समझाइश के बाद भी वे नहीं माने और संस्था प्रमुख से उलझते रहे। मेडिसिन के विभागाध्यक्ष के माध्यम से डॉ. जैन को नोटिस जारी कर इस घटना के बारे में जवाब मांगा है, संतोषजनक जवाब नहीं होने पर अनुशासनहीनता की कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। काफी सालों से संविदा आधार पर डॉ. कमलेश जैन मेडिकल कॉलेज में सह प्राध्यापक के रूप में पदस्थ हैं। अपने किसी कार्य के संबंध में वे डीन कार्यालय पहुंचे थे, जहां विवाद की स्थिति निर्मित हो गई और काफी हंगामा हो गया। विवाद बढ़ते देख वहां मौजूद अन्य स्टाफ और सुरक्षा जवानों की मदद से डीन के निर्देश पर उन्हें कार्यालय से बाहर निकाला गया।

इस बार प्रदेश में नहीं बढ़ पाएंगी एमबीबीएस की सरकारी सीटें, नए कॉलेजों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर चल रहा काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नीट की परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों को इस बार चार नए शासकीय मेडिकल कएॅलेज और दो सौ नई सीटों का विकल्प नहीं मिल पाएगा। प्रदेश में कबीरधाम, मनेंद्रगढ़, जांजगीर-चांपा और गीदम में कॉलेज खोले जाने हैं, मगर इसके लिए संसाधन जुटाने में अभी काफी वक्त लगने की संभावना है। फिलहाल राज्य में 10 शासकीय और 5 निजी मेडिकल कॉलेजों में कुल 2130 सीटें हैं।

- कवर्धा, मनेंद्रगढ़, जांजगीर-चांपा और गीदम में खुलने हैं नए सरकारी कॉलेज

सूत्रों के अनुसार, शासकीय स्तर पर खुलने वाले इन चार शासकीय मेडिकल कॉलेजों की शुरुआत 50-50 सीटों से होगी। अभी कॉलेज के भवन निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके अलावा जरूरी सुविधाओं के साथ यहां फैकल्टी की व्यवस्था भी की जानी है, जिसमें वक्त लगने की संभावना है। अन्य राज्यों की तरह प्रदेश में भी छात्रों के बीच मेडिकल की पढ़ाई का क्रेज है। इस बार आयोजित नीट में प्रदेश के 9300 परीक्षार्थी शामिल हुए, जिसमें परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद 50 फीसदी विद्यार्थी एमबीबीएस की सीटों के लिए दावेदारी करेंगे।

संसाधन जुटाने की तैयारी

चार जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना पर काम चल रहा है। सीजीएमएससी द्वारा निर्माण संबंधी टेंडर की प्रक्रिया पूरी की जा रही। साथ ही अन्य संसाधन जुटाने का काम पूरा किया जाएगा। कॉलेजों की शुरुआत इस सीजन में नहीं हो पाएगी। - **डॉ. यूएस पैंकरा**, डीएमई

पिछली बार खुले निजी सेक्टर के दो कॉलेज

राज्य में पिछले सीजन में दो निजी कॉलेजों की शुरुआत की गई थी। इसमें एक कॉलेज में सौ तथा दूसरे में एमबीबीएस की डेढ़ सौ सीटें हैं। पूर्व के तीन कॉलेजों को मिलाकर इनकी संख्या पांच हो चुकी है, जहां एमबीबीएस की कुल सात सौ सीटें हैं। काउंसिलिंग की विभिन्न कोशिशों के बावजूद इन कॉलेजों की सभी सीटें फुल हो जाती हैं। सरकारी की तुलना में कुछ निजी कॉलेजों का क्रेज काफी अच्छा है और दूसरे राउंड तक उनकी सभी सीटों पर एडमिशन हो जाता है।

सिंधी समाज के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी, दर्ज करवाई शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य में बीते कुछ सालों से सांप्रदायिक माहौल लगातार ख़राब हो रहा है, जिसमे कुछ शरारती तत्वों द्वारा सोशल मीडिया के जरिये विभिन्न सम्प्रदायों को निशाने पर लिया जा रहा है, उन सभी समाजों के खिलाफ आये दिन अनर्गल और अनुचित टिप्पणियां जारी है, पहले भी जैन संत, अग्रवाल समाज, मारवाड़ी, सिंधी समाज, ब्राम्हण समाज, मुस्लिम समाज, उ.प्र-बिहार के लोगों को बाहरी कहकर राज्य का माहौल खराब किया गया है।

ऐसे कई मामलों में FIR तक दर्ज करवाई जा चुकी है, लेकिन ऐसे लोगों को कोई भय नहीं है। धार्मिक सामाजिक टिप्पणियाँ लगातार ऐसे लोगों द्वारा जारी है, जो राज्य के शांत माहौल में जहर घोलने का कम कर रही है। सिन्धी समाज पर अनुचित टिप्पणी, । त्रिभुवन त्रिपाठी नामक व्यक्ति ने सिन्धी समाज के खिलाफ बहुत ही अशोभनीय टिप्पणी की है, जिसके बाद सिन्धी समाज के लोग काफी आक्रोशित है। त्रिभुवन त्रिपाठी नामक व्यक्ति ने सिन्धी समाज के खिलाफ बहुत ही अशोभनीय टिप्पणी की है, जिसके बाद सिन्धी समाज के लोग काफी आक्रोशित है, ऐसे में सिंधु युवा शक्ति के तत्वावधान में बड़ी संख्या में सिन्धी समाज के युवाओं सहित हिंदूवादी संगठनों के युवा एकत्र हुए और हिन्दू समाज को तोड़ने एवं अशांति फैलाने के प्रयास में त्रिभुवन त्रिपाठी एवं उसके साथी गणों के खिलाफ थाने सिविल लाइन में शिकायत दर्ज करने पहुंचे।

आमापारा में कारी तालाब के पास खुले चैंबर को किया बंद

रायपुर। आमापारा के कारी तालाब के पास मुख्य मार्ग किनारे चैंबर खुला होने से दुर्घटना का अंदेशा बना हुआ था। इसकी शिकायत स्थानीय रहवासियों ने जोन 7 कार्यालय में की। शिकायत मिलने पर जोन 7 की टीम ने इसे संज्ञान में लेते हुए खुले हुए चैंबर को बंद कराने की कार्यवाही स्थल पर की गई। रामनगर के गुलमोहर पार्क के समीप पीएमवाय आवासीय परिसर में सीवरेज निकासी के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरकर 7 वर्षीय बालक दिव्यांश की मौत होने के बाद महापौर मीनल चौबे के आदेश और निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर शहर के दस जोन स्थित 70 वार्डों में खुले हुए चैंबर को सुरक्षित करने नगर निगम अभियान चला रहा है। सोमवार को शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्षेत्र में आमापारा के कारी तालाब के पास मुख्य मार्ग किनारे खुले चैंबर को जनजीवन की सुरक्षा के लिहाज से तत्काल बंद कराने की कार्यवाही की गई।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

तेलीबांधा तालाब के पास स्मार्ट पार्किंग के लिए अभी और प्रतीक्षा

- रायपुर स्मार्ट सिटी ने पीपीपी मोड पर बिलासपुर की कंपनी के साथ किया है अनुबंध
- स्लॉट वाइज बुकिंग की मिलेगी सुविधा, 90 कारों के लिए पार्किंग स्पेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के तेलीबांधा तालाब के पास शहरवासियों की सुविधा के लिए बनाए जा रहे स्मार्ट पार्किंग का काम एक साल में भी पूरा नहीं हो पाया है। इसके चलते राजधानीवासियों को हाईटेक स्मार्ट पार्किंग की सुविधा नहीं मिल पा रही है। 1800 वर्गफीट जमीन पर स्मार्ट पार्किंग बनाई जा रही है। इसके लिए रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने बिलासपुर की की-स्टोन इंफ्राबिल्ड कंपनी के साथ अनुबंध किया है। दो चरणों में स्मार्ट पार्किंग का काम पूरा होना है। 90 कारों की यहां पार्किंग की जा सकेगी, पर स्मार्ट पार्किंग का काम अब तक पूरा नहीं होने से मरीन ड्राइव और तेलीबांधा के री-क्रिएशन जोन में आने-जाने वालों को गाड़ियां सड़क किनारे पार्क करनी पड़ रही हैं। निगम को तेलीबांधा तालाब के एसटीपी के पास से पार्किंग के लिए रास्ता देना था, पर रास्ता नहीं खोलने से काम प्रभावित हो रहा है। मरीन ड्राइव इलाके में पार्किंग की समस्या से जूझ रहे लोगों को अब तक राहत नहीं मिल पाई है। तेलीबांधा तालाब किनारे निर्माणाधीन हाईटेक स्मार्ट पार्किंग का काम अभी भी अधूरा है। नगर निगम को इस कार्य में फूटी-कौड़ी खर्च नहीं करनी पड़ेगी, बल्कि हर साल 16 लाख 65 हजार रुपए अनुबंधित कंपनी स्मार्ट पार्किंग के एवज में जमीन का किराया भी निगम को देगी। अपने तरह के इस अनूठे पार्किंग में मेट्रो सिटी की तर्ज पर स्लॉट वाइज गाड़ी पार्किंग की एडवांस बुकिंग का सिस्टम रहेगा। प्रदेश में पहली बार ईवी चार्जिंग क्षमता के साथ स्वचालित पार्किंग की सुविधा से इसे जोड़ा जाएगा। इसमें मैनुअल की जगह स्वचालित कार पहचान प्रणाली का उपयोग होगा। लोग एक क्लिक पर पहले से अपनी गाड़ियों की स्लॉट वाइज बुकिंग कर पाएंगे। एक तरह से कैशलेस और फास्टैग की तर्ज पर सिस्टम होगा ।

हरिभूमि फॉलोअप

20 साल के लिए ठेका

तेलीबांधा में स्मार्ट पार्किंग विकसित करने वाली कंपनी 20 साल तक स्मार्ट पार्किंग चलाएगी। शुरुआत में 10 साल के लिए पार्किंग संचालन का काम दिया जा रहा है। अनुबंध के मुताबिक कार्य संतोषप्रद पाए जाने पर इसकी अवधि 10 साल के लिए बढ़ाई जा सकती है। इस पार्किंग के शुरू होने से तेलीबांधा सहित आसपास के कालोनी के रहवासियों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। वहीं री-क्रिएशन परिसर के ग्राहकों तक सीधी पहुंच होगी।

online Booking:-www.tripuryatra.com
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्लीपर मात्र 17,000/-
8 रात व 9 दिन
EX हरिद्वार
चार धाम यात्रा
श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री, श्री यमुनोत्री
18 मई, 04 जून, 16 अगस्त, 06 सितम्बर, 05 अक्टूबर 2025
चार धाम यात्रा के इंडिविजुअल (व्यक्तिगत) पैकेज के लिए संपर्क करें।
(इन्क्लुड - इनोवा क्रिस्टा, स्विफ्ट डिजायर, टेम्पो ट्रैवलर, होटल, ब्रेकफास्ट एंड डिनर)
राशि:- स्टैंडर्ड पैकेज 17,000/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

लाइव इवेंट

पीईटी और पीपीएचटी प्रवेश परीक्षा 8 मई को

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा 8 मई गुरुवार को पीईटी (PET) एवं पीपीएचटी (PPHT) प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। पीईटी परीक्षा प्रातः 9 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक और पीपीएचटी परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक जिले के 1 परीक्षा केंद्र क्रमशः शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में आयोजित है। उक्त परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों के लिए निम्नानुसार दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा दिवस को प्रत्येक परीक्षार्थी एक घंटे पूर्व अपने परीक्षा केंद्र में उपस्थित हों, जिससे उनके मूल पहचान पत्र से उनकी पहचान की जा सके एवं परीक्षा केंद्र में जाने की अनुमति दी जा सके।

फोटोकॉपी नहीं होगी मान्य

परीक्षार्थी परीक्षा दिवस से एक दिवस पूर्व अपने परीक्षा केंद्र की भौगोलिक स्थिति से भली-भांति परिचित हो जाएं। परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात किसी भी परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को अपना फोटोयुक्त मूल आईडी प्रूफ जैसे मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, आधारकार्ड, पासपोर्ट, विद्यालय का फोटोयुक्त परिचय पत्र, फोटोयुक्त अंकसूची मूलरूप में (फोटोकॉपी मान्य नहीं) परीक्षा दिवस में परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र के अभाव में परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में मोबाइल एवं अन्य डिवाइस ले जाना वर्जित है।

विश्व अस्थमा दिवस आज, एलोपैथी और आयुर्वेदिक उपचार से जुड़े एक्सपर्ट ने साझा किए अनुभव

फेफड़ों पर दोहरी मार : मौसम, स्मोकिंग और वायरल इन्फेक्शन अस्थमा मरीजों के बने दुश्मन

लोग शौक के चलते खुद को अस्थमा पेशेंट बना रहे हैं। स्मोकिंग की लत के साथ एलर्जी की अनदेखी से हर वर्ग के लोगों में शिकायत बढ़ती जा रही है। एलोपैथी और आयुर्वेदिक चिकित्सक बताते हैं कि हर साल 4 से 5 हजार पेशेंट चेकअप के लिए आ रहे हैं। अचानक मौसम बदलने से वायरल इंफेक्शन की वजह से अस्थमा अटैक की समस्या से बचने के लिए दवा और एडवाइज लेने दोनों ही तरह का इलाज करवाने एक्सपर्ट के पास पेशेंट पहुंचते हैं।

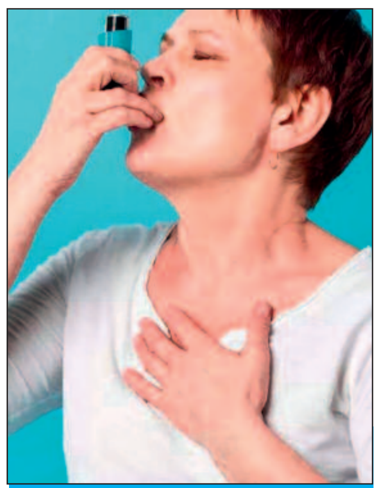

रायपुर। विश्व अस्थमा दिवस हर साल मई के पहले मंगलवार को मनाया जाता है। यह दिन अस्थमा के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को अस्थमा के बारे में शिक्षित करने के लिए समर्पित है। ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा द्वारा आयोजित किया जाता है। जो एक अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन है। इसके माध्यम से इनहेल्ड उपचारों को सभी के लिए सुलभ बनाने का प्रयास और नई तकनीक के बारे में सभी पेशेंट को जानकारी दी जाती है। इसको लेकर अम्बेडकर अस्पताल को अस्थमा रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर आरके पंडा और एसोसिएट प्रो. रोशन सिंह राठौर ने बताया कि हर दिन 40 से 50 पेशेंट पूरे प्रदेश से ओपीडी में आते हैं। अचानक बदलने पर या ठंड बढ़ने की स्थिति पेशेंट का ओपीडी में इजाफा होता है।

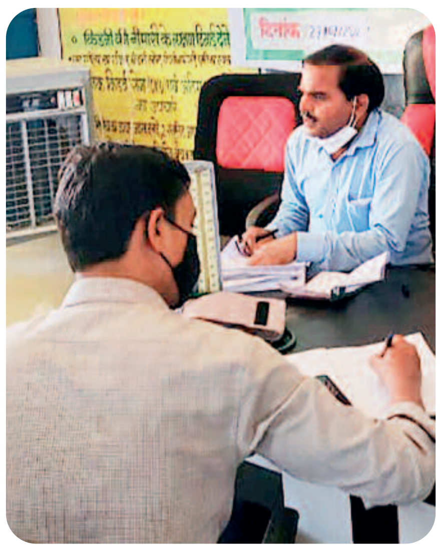

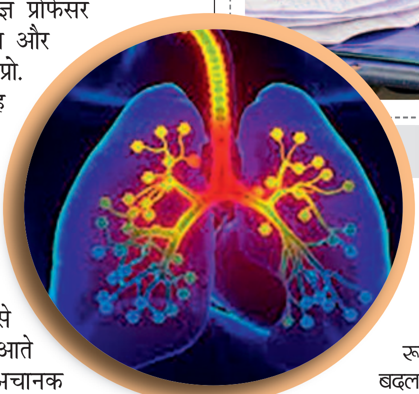

एलर्जी की अनदेखी से बढ़ते हैं पेशेंट

एक्सपर्ट बताते हैं कि आमतौर पर औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों में प्रदूषण की वजह से एलर्जी की समस्या होती है। लोग सुगंध, दुर्गंध, वायरल इंफेक्शन, धूल, धुंआ से एलर्जी होने पर इसे हल्के में लेते हैं। यही धीरे-धीरे अस्थमा के रूप में बड़ी समस्या का रुप लेता है। अचानक मौसम बदलने पर लोग नजर अंदाज करते हैं। घबराहट होने और श्वांस लेने में होने वाली दिक्कत बढ़ने पर उपचार के लिए आते हैं। तब तक अस्थमा के लक्षण उनमें बढ़ चुके होते हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें दवाओं के सेवन से बचाव का रास्ता रह जाता है।

8-10 दिन सर्दी तो न करें अनदेखी

डाक्टर्स की माने तो एलर्जी पैदा करने वाले तत्वों से दूर रहें। सर्दी या फ्लू से बचने के लिए सावधानियां बरतें। धूम्रपान से बचें और ऐसे लोग स्मोकिंग करने वालों से दूर रहने का प्रयास करें। अस्थमा को बढ़ावा देने वाले कारकों से बचें, जैसे कि ठंडी हवा, वायु प्रदूषण, सर्दी, फ्लू, धुआं या सुगंध। इनसे बचाव से भी पेशेंट को काफी हद तक राहत मिलती है। इसके अलावा मौसम बदलने पर अगर किसी को 8 से 10 दिन सर्दी की समस्या रहती है, तो ऐसी स्थिति में तुरंत एक्सपर्ट से परामर्श लें। ऐसा नहीं करने से अटैक का खतरा भी बढ़ सकता है।

बसंत ऋतु में करवाते हैं वमन कर्म

आयुर्वेदिक मेडिसिन एक्सपर्ट डॉ. सीपी सिन्हा, आयुर्वेदिक महाविद्यालय में पंच कर्म विशेषज्ञ प्रो. रंजीप दास बताते है कि उपचार के लिए आने वाले अस्थमा पेशेंट को दवा दिया जाता है। इसके साथ ही उनको एलर्जी वाली चीजों से परहेज करने की सलाह देते हैं। ऐसे पेशेंट को बसंत ऋतु में दो महीने तक वमन कर्म कराया जाता है। इससे पेशेंट को काफी हद तक राहत मिलती है। इस कर्म के माध्यम से रोगी को उल्टी कराते हुए श्वांस नली को साफ किया जाता है। इसके साथ ही उन्हें अनुलोम- विलोम के लिए कहा जाता है। हर साल अस्थमा पेशेंट 4 से 5 हजार आते हैं।

सिटी इवेंट

सम्मेलन में समाज के शिक्षित 200 से अधिक युवक-युवतियों ने दिया परिचय

रायपुर। राजधानी में सिंधी युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन हुआ। बढ़ते कदम सेवा संस्थान द्वारा आयोजित इस परिचय सम्मेलन में प्रदेश सहित दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में शिक्षित प्रोफेशनल युवक-युवतियों ने भाग लिया।

यह आयोजन निरंजन धर्मशाला वीआईपी रोड तेलीबांधा में संपन्न हुआ। आयोजक संस्थान के अध्यक्ष सुरेश रोचलानी ने बताया कि यह युवक-युवति परिचय सम्मेलन के लिए समाज के प्रोफेशनल युवक-युवतियों को एक मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया, ताकि वह अपने लिए बेहतर जीवनसाथी का चुनाव कर सके। यह आयोजन उनकी संस्था का महत्वाकांक्षी आयोजनों में से एक है, जिसका उद्देश्य समाज का समय, श्रम व धन बचाते हुए युवक-युवतियों व उनके परिजनों को आपस में जोड़ना है।

इस युवक-युवती परिचय सम्मेलन में रजिस्ट्रेशन कराने से चूके विवाह योग्य युवक-युवति बढ़ते कदम कार्यालय देवेंद्र नगर में प्रत्येक रविवार दोपहर 12 से 3 बजे तक अपना बायोडाटा एवं फोटो के साथ संपर्क कर सकते हैं।

देशभर से ऑनलाइन के जरिए जुड़े

परिचय सम्मेलन में 105 युवक व 103 युवतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। इसमें समाज के डॉक्टर, सीए, सीएस, एबीए, इंजीनियर, पीएचडी, एलएलबी, एलएलएम, इंटीरियर एवं फैशन डिजाइनर, पोस्ट ग्रेजुएट जैसे प्रोफेशनल युवक-युवतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। आत्मविश्वास के साथ 93 युवक, 76 युवतियों ने अपना परिचय दिया। साथ ही 10 युवतियों और 2 लड़कों ने ऑनलाइन माध्यम से परिचय सम्मेलन में भाग लिया।

काउंसलरों का मिला मार्गदर्शन

परिचय सम्मेलन में समाज को निशुल्क मैरिज ब्यूरो की सेवाएं देने वाले काउंसलरों का मार्गदर्शन मिला। इसमें रायपुर, नागपुर, वर्धा, चंद्रपुर, भाटापारा, भिलाई, राजनांदगांव, कांकेर, अंबिकापुर से अनुभवी काउंसलरों के माध्यम से प्रतिभागियों का साक्षात्कार एक-दूसरे पक्ष से कराया गया।

वेटनरी साइंस के 18 विषयों में हुए शोध को मिला सम्मान, 347 में 145 बेस्ट थीसिस का चयन

रायपुर। इंडियन वेटरनरी एसोसिएशन की महिला पशु चिकित्सक शाखा द्वारा पशु विज्ञान विश्वविद्यालय पटना के सहयोग से बेस्ट एमवीएससी और पीएचडी थीसिस अवार्ड सेरेमनी का आयोजन किया गया। बिहार एग्रीकल्चरल मैनेजमेंट एंड एक्सटेंशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बामेती पटना में आयोजित इस कार्यक्रम में कामधेनु विश्वविद्यालय को भी शामिल होने का मौका मिला। आयोजन भारत में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान के सभी 18 विषयों में उत्कृष्ट शोध कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने वाला पहला मंच था। डॉ. निधि रावत अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संयोजक वीमेन वेट विंग आईवीए द्वारा कार्यक्रम का संयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से महिला पशु चिकित्सकों के अकादमिक योगदान को पहचान देने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम होगा, जिनका समर्पण और परिश्रम अक्सर अनदेखा रह जाता है।

देशभर की 145 से ज्यादा महिला वेटनरी डॉक्टर हुए शामिल

इस आयोजन में पोल्ट्री इंडिया, सैफवेटमेड इंडिया, एजुकेटूज़ न्यूफी फाउंडेशन, केमिन, इन्टास, और वीबैंक जैसे प्रमुख औद्योगिक भागीदारों का सहयोग मिला। इस समारोह में कश्मीर से केरल, त्रिपुरा से गुजरात तक प्रत्येक राज्य से 145 महिला पशुचिकित्सकों की भागीदारी रही। यह इंडियन वेटरनरी एसोसिएशन की महिला शाखा पर देशभर में बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। बेस्ट थीसिस अवार्ड सेरेमनी भविष्य में भी केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक परिवर्तनकारी आंदोलन बनेगा, जो अकादमिक उत्कृष्टता एवं नवीन शोध कार्यों का उत्सव मनाएगा, महिलाओं को सशक्त करेगा और भारत में पशु चिकित्सा अनुसंधान के भविष्य को आकार देगा।

सलिल सागरे में बही सुरों की बयार बांग्ला-हिंदी गीतों की मधुर प्रस्तुति

रायपुर। साहित्य, कला और संस्कृति के संवर्धन से जुड़ी संस्था जोगोते आनंदो जोग्गे फाउंडेशन द्वारा रविवार की रात साहित्यिक एवं सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन महान संगीतकार स्व. सलिल चौधरी की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में रखा गया था। सलिल सागरे शीर्षक से इस विशेष कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल से आए कलाकारों ने सलिल चौधरी के लोकप्रिय बांग्ला एवं हिंदी गीतों की मधुर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वभारती विश्वविद्यालय (शांति निकेतन) के कुलपति प्रबीर कुमार घोष ने की। रायपुर के होटल रॉयल पैलेस में रात 9 से 10 बजे तक चले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगीतप्रेमी श्रोताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन समीर कुमार रक्षित ने किया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन संस्कृति और संगीत के प्रति समर्पण का प्रतीक है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी रहेगी।

रोजाना सीधे धूप झेलने की वजह से पूरी तरह से सूख जाते हैं पौधे

पौधों को झुलसने से बचाने गार्डन में लगाए जा रहे ग्रीन नेट, पांच डिग्री तक कम हो रहा तापमान

कार्नर न्यूज

रायपुर। मई महीने की शुरुआत से गर्मी अपने चरम पर है। तेज धूप की तपन तो अब मनुष्य नहीं सह पा रहा है। ऐसी झुलसा देने वाले तेज धूप में छोटे पौधों को भी सीधे धूप सहना पड़ता है। सूरज की तेज किरणें पानी को सोख लेती हैं, जिससे पौधे मुरझा जाते हैं। यदि ऐसे समय में इनकी देखभाल नहीं की गई और इन्हें पानी नहीं मिला तो पौधे मर भी जाते हैं, लेकिन अब तेज धूप से इन पौधों को बचाने के लिए बाजार में ग्रीन नेट का विकल्प आ चुका है, जिसे प्रकृति प्रेमी घर के टेरिस गार्डन में लगा रहे हैं, ताकि पौधे तेज धूप में बच सकें और छाया में रहें तथा अच्छे से फलते-फूलते रहें।

वर्तमान में ग्रीन नेट की मांग भी बाजार में काफी बढ़ गई है। रोजाना सीधे धूप झेलने की वजह से पौधे पूरी तरह से सूख जाते है और फिर से इसमे हरियाली आना संभव नहीं हो पाता है।

घरों और टेनिस गार्डन में बढ़ा इस्तेमाल

गर्मी तेज होने से अब घरों के आंगन में बने गार्डन के साथ ही टेरिस गार्डन में ग्रीन नेट का इस्तेमाल बढ़ गया है। एक्सपर्ट के मुताबिक ग्रीन नेट लगने के बाद धूप पौधों में छनकर पहुंचती है और इससे उनमें आवश्यक छाया भी बनी रहती है। इसके साथ ही पौधों को गर्मी में भी पनपने के लिए सही वातावरण मिलता है और भीषण गर्मी में भी ये पौधे खूब फलने-फूलने लगते हैं।

पांच डिग्री तक पड़ता है फर्क

दुकानदार शेखर वर्मा का कहना है कि ग्रीन नेट का एक बड़ा फायदा ये है कि इसे लगाने से जितने स्थान तक उसकी छाया पहुंचती है, वहां का तापमान कम से कम पांच डिग्री तक कम हो जाता है, जो इस भीषण गर्मी में राहत देता है। साफ है कि यह पौधों के लिए संजीवनी साबित होती है, क्योंकि यह पानी के रूप में पड़ी नमी को भी सोखने नहीं देता है और इस नमी को पानी के रूप में पौधे लेते हैं और तेज गति से विकसित होते हैं। जिन घरों में गार्डन या ज्यादा पौधे नहीं हैं, फिर भी वे ग्रीन नेट का सहारा लेते हैं। खासतौर से ऐसे घर, जहां पर दिनभर सीधे धूप पड़ती है, उनके घर के अंदर का तापमान बढ़ जाता है। ऐसे स्थिति में ग्रीन नेट लगाने पर तापमान में कमी आ जाती है और रहवासियों को राहत मिलती है।

आराधना

जीवन मे परमात्मा को अपना दोस्त बनाकर उनसे मन की बातें करें

रायपुर। समर कैंप के दूसरे सत्र में भगवान के साथ संबंध विषय पर बोलते हुए राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्रियंका दीदी ने कहा कि परमात्मा को हम अपना सच्चा दोस्त बनाकर उनसे अपना सुख-दुख बांटें। तनावग्रस्त होने पर उन्हें अपने मन की बातें कहकर हल्के हो जाएं। आप उन्हें पत्र भी लिख सकते हैं। ब्रह्माकुमारी प्रियंका दीदी ने बच्चों को बड़े ही सरल ढंग से परमात्मा का परिचय देते हुए बताया कि परमात्मा का कर्तव्यवाचक नाम शिव है, जिसका अर्थ कल्याणकारी होता है। उनका रूप अतिसूक्ष्म ज्योतिबिंदु स्वरूप और निवास स्थान परमधाम है। उनका कोई शारीरिक आकार नहीं है। इसीलिए उन्हें हम शरीर धारियों की तुलना में निराकार कहा जाता है। वह जन्म-मरण से न्यारे हैं। हमारे देश में स्थित द्वादश ज्योतर्लिंग भी उन्हीं की यादगार में बनाए गए हैं। पहले जमाने में शिवलिंग हीरे के बनाए जाते थे, ताकि पता चले कि ईश्वर ज्योतिस्वरूप है। ब्रह्माकुमारी प्रियंका ने बाद में राजयोग के माध्यम से परमात्मा से संबंध जोड़ने की विधि बताते हुए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी बच्चों को कराया।

समर कैम्प में दी यातायात नियमों की जानकारी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प के तीसरे दिन यातायात नियमों की जानकारी देते हुए ट्रैफिक ट्रेनर टीके भोई ने कहा कि यातायात के सारे नियमों का पालन करना हमारा कर्तव्य है, जिससे हम स्वयं सुरक्षित रहकर दूसरों की भी मदद कर सकेंगे। यह हमारे जीवन की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। कभी भी शार्टकट के चक्कर में अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। उन्होंने बताया कि ज्यादातर दुर्घटनाएं चालक की लापरवाही से होती हैं। यदि चालक अच्छा हो और वह यातायात नियमों का पालन करता हो तो दुर्घटना की संभावना कम हो जाती है।

> गर्मी में स्कूल की छुट्टी के साथ ही एक बार फिर से सिख समाज ने बच्चों के लिए गुरुमुखी सिखाने के लिए कैम्प का सिलसिला शुरू किया है। गुरुवाणी को समझाने के लिए लिखने-पढ़ने की विधा ही नहीं गुरुद्वारों में ग्रंथी और अलग गुरुओं से शिक्षा प्राप्त करने वाले समाज के लोग धर्म की शिक्षा व संस्कारों का बीज बोने कैम्प लगा रहे हैं। इसमें हर वर्ग के बच्चों को शिक्षा देने की पहल गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी द्वारा की जा रही है।

स्कूल की छुट्टी, बच्चों को धर्म-संस्कार से जोड़ने सिख समाज गुरुमत कैम्प में सिखा रहा गुरुमुखी

राजधानी के गुरुद्वारों में हर दिन लग रही सिख समाज के बच्चों की क्लास, ग्रंथी दे रहे धर्म की शिक्षा

रायपुर। राजधानी के गुरुद्वारों में इन दिनों गुरुमत कैम्प चल रहा है। जहां नई पीढ़ी को धर्म-संस्कार और शौर्य में दक्ष करने की पहल जारी है। तेलीबांधा गुरुद्वारे में प्रशिक्षण दे रही समाज की दलजीत कौर चार साल के बच्चों को गुरुमुखी बोलना सिखा रही हैं। उन्होंने लुधियाना मिशनरी कॉलेज से गुरुमुखी लिपि में दो वर्ष का कोर्स किया है। अब गुरुद्वारों में होने वाले गुरुमत कैम्प के अलावा समाज के अलग-अलग एज ग्रुप के बच्चों को घर में गुरुमुखी बोलना, पढ़ना, लिखना सिखाती हैं। वह शिक्षिका के तौर पर जॉब नहीं करती, बल्कि शिक्षित होने के नाते समाज में धर्म-संस्कार का प्रसार करने के उद्देश्य से दायित्वों का खुद निर्वहन कर रही हैं। ऐसा करने से उन्हें खुशी मिलती है। साथ ही समाज के प्रति जिम्मेदारी का एहसास होता है।

महाराजा जस्सा का मनाया जन्मोत्सव

टाटीबंध गुरुद्वारा साहिब में सोमवार को महाराजा जस्सा सिंह रामगढ़िया का जन्म दिवस मनाया गया। इस वजह से सुबह सुखमणि साहेब पाठ के बाद, कथा और कीर्तन के चलते उत्साह का माहौल बना। सिख समाज के भूपेंद्र सवन्नी, गुरप्रीत सिंह बाबरा, अमरजीत सिंह छाबड़ा, अवतार सिंह बागल, सुखदेव सिंह नाटो को सरोपा एवं मोमेंटो अध्यक्ष बलदेव सिंह और सचिव ओंकार सिंह ने प्रदान किया। मंच संचालन एवं आभार वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरपाल सिंह द्वारा किया गया। लोगों को शरबत वितरण करते हुए रामगढ़िया की युवा टीम ने सेवा दी।

21 दिन तक दी जाएगी गुरुमुखी की शिक्षा

सिख समाज ने स्टेशन रोड गुरुद्वारा में गुरुमत कैम्प का आगाज सोमवार को किया। जहां गुरुमुखी सिखाई जा रही है। गुरुमुखी पढ़ना, लिखना, शुद्ध पाठ करना, अरदास करना, तबला, हारमोनियम वादन सिखाया जा रहा है। प्रमुख ग्रंथी दयासिंह ने अरदास करके समर क्लास शुरू किया। गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह छाबडा, उपाध्यक्ष कल्याण सिंह पसरिजा, सचिव तेजिंदर सिंह होरा इसके लिए पहल कर रहे हैं। कैम्प में 26 मई तक रोज सुबह साढे 9 बजे से सभी बच्चों को गुरुमुखी, बोलना पढ़ना सिखाएंगे। साथ में संस्कार और धर्म के प्रति जागरूक कर रहे है। यह दायित्व तरजीत सिंह मल्होत्रा, तरणजीत कौर, जसबीर कौर छाबडा, हरजीत सिंह अजमानीं निभाएंगे।

कैम्प में सिखने के लिए बढ़ रहा उत्साह

कैम्प में बड़ी संख्या में हर एज ग्रुप के बच्चें पहुंच रहे हैं। जहां पर अलग-अलग विधा के पारंगत प्रशिक्षक गुरुमुखी, कीर्तन, वाद्ययंत्रों, गुरुवाणी पाठ का प्रशिक्षण दे रहें है। कैम्प में चल रही धर्म- संस्कार की इस क्लास में कई तरह की गतिविधियों के प्रति बड़ों-बच्चों सभी वर्ग में काफी जिज्ञासा देखी जा रही है। इस तरह से गुरुद्वारों में कैम्प को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है। तेलीबांधा, टाटीबंध गुरद्वारा सहित सभी गुरुद्वारों में एकाग्रता से कैम्प सुबह से दोपर तक चलाएं जा रहे हैं। इसमें माता-पिता बच्चों को छोड़ने और लेने के लिए पहुंचते हैं।

12 साल की पलक सीखा रहीं कैलीग्राफी

दलजीत कौर ने बताया कि कैम्प में 12 साल की पलक छाबड़ा कैलीग्राफी में पंजाबी भाषा लिखना सीखा रही हैं। पलक ने कैलीग्राफी की शिक्षा ली हैं। वह कैम्प में स्वयं धर्म-संस्कार ग्रहण कर रहीं हैं। साथ ही कैलीग्राफी की शिक्षा का भी प्रसार कर रही हैं। वहीं 9 वर्ष के रिदांत सिंह भल्ला को गुरुवाणी पाठ कंठष्त हो गया है। इस तरह से बच्चे कैम्प के माध्यम से धर्म-संस्कार से जुड़ रहे हैं। इस तरह का प्रयास शहर के कई गुरुद्वारों में किया जा रहा है। जहां अलग-अलग ग्रंथी और शिक्षिकाएं बच्चों में संस्कार का बीज बोने का दायित्व निभा रहे हैं।

सिटी लाइव

रंग संस्कार महोत्सव में नाटकों से सजेगा रंगमंच, हर प्रस्तुति में होगा सामाजिक संदेश

रायपुर। संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रदेश के सुप्रसिद्ध कलाकार स्व. अशोक चंद्राकर की स्मृति में आयोजित रंग संस्कार महोत्सव का दूसरा संस्करण 16 से 18 मई तक रायपुर में आयोजित किया जाएगा। इस त्रिदिवसीय महोत्सव में प्रतिदिन दो नाटकों का मंचन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी के लिए आयोजित बैठक में महोत्सव के संरक्षक पद्मश्री अनुज शर्मा की उपस्थिति रही। महोत्सव में देश के प्रसिद्ध फिल्म कलाकार मनोज जोशी की उपस्थिति का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में उपस्थित नाट्य निर्देशकों ने अपने नाटकों का संक्षिप्त परिचय देते हुए कलाकारों की संख्या, प्रस्तुति समय आदि की जानकारी दी। सभी नाटक 30 से 45 मिनट की अवधि के होंगे।यह महोत्सव स्व. अशोक चंद्राकर की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है, जिनका छत्तीसगढ़ की रंगमंचीय परंपरा में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। महोत्सव का उद्देश्य स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करना और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है।

ये छह नाटक होंगे मंचित

रायपुर में 16 से 18 मई तक आयोजित रंग संस्कार महोत्सव के दौरान प्रतिदिन दो नाटकों का मंचन किया जाएगा, जिसमें पेइंग गेस्ट – निर्देशकः रंजन मोडक, भारत मिलाप निर्देशकः किशोर वैभव, शहीद वीर नारायण सिंह (छत्तीसगढ़ी लोक गाथा आधारित) लांछन, आधी आबादी का काव्य कोलाज, स्वाभिमान शामिल है।

चित्रमाला का भी त्रिदिवसीय महोत्सव

संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जयंती के अवसर पर एक चित्रमाला तैयार की गई है । उनके संघर्षमयी जीवन के प्रमुख प्रसंगों को 50 पेंटिंग्स के माध्यम से प्रदेश के 50 चित्रकारों ने तैयार किया गया है । इस प्रदर्शनी का उद्घाटन भी त्रिदिवसीय महोत्सव में होगा। रंगमंच और चित्रकला के कलाकारों की प्रस्तुतियां एक ही स्थान पर अवलोकन करने का सौभाग्य रायपुर के कला प्रेमियों को मिलेगा।

दिखावा आज चिंता का सबसे बड़ा कारण ओवर थिंकिंग बन रही खतरनाक बीमारी

वर्धमान मंदिर में विशेष पारिवारिक प्रवचन श्रृंखला

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर स्थित वर्धमान मंदिर में विशेष पारिवारिक प्रवचन श्रृंखला तनाव मुक्त जीवन की ओर एक संस्कारित पहल के अंतर्गत उपाध्याय भगवंत मनीष सागर महाराज ने चौथे दिन सोमवार को जीवन में तनाव मुक्त रहने का मूलमंत्र देते हुए बताया कि आज लोगों की जिंदगी में एक बहुत बड़ी टेंशन है, वह है दिखावे की टेंशन। अब लोग काम भी दिखावे के लिए करते हैं, उत्सव भी दिखाने के लिए मनाते हैं। शादी विवाह भी दिखावे के लिए करते हैं। लोग यह दिखाना चाहते हैं कि वे कितने धनवान हैं और कितने हाईटेक हो चुके हैं। यह एक दिन का दिखावा आपको तनावग्रस्त कर सकता है। एक दिन के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर दिए और चार दिन तक टेंशन में रह रहे हो तो ऐसे आयोजन का क्या मतलब हुआ। दिखावे की टेंशन से मुक्त होने के लिए आपको संकल्प लेना होगा कि हमें इस तरह के व्यसनों से दूर रहना चाहिए।

8 मई को 18 अभिषेक पूजा

श्री मेघराज बेगानी धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष धर्मराज बेगानी एवं चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अजय कानूगा ने शहरवासियों अपील करते हुए कहा है कि गुरु भगवंत मनीष सागर द्वारा तनाव मुक्त जीवन की ओर एक संस्कारित पहल पर पारिवारिक प्रवचन हो रहा है। बेहतर और तनावमुक्त जीवन जीने की कला की बारीकियों को समझने आप सभी सादर आमंत्रित है। उन्होंने बताया कि मंदिर प्रांगण में 8 मई को गुरु भगवान के प्रवचन के बाद 10 बजे अठारह अभिषेक पूजा होगी और 9 मई को ध्वजारोहण का कार्यक्रम रखा गया है। उन्होंने कहा कि आप सभी इन दोनों तिथियों पर मंदिर पधारकर धर्म लाभ लें।

विकल्प बढ़ेंगे तो चिंता भी बढ़ेगी

गुरु भगवान ने कहा कि आज ओवर थिंकिंग सबसे घातक बीमारी बन चुकी है। पहले लोग सोचते नहीं थे और अब लोग सोचना बंद नहीं कर पाते, क्योंकि इसका आधार भी चिंता है। बहुत सोच समझने के बाद भी आप किसी समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे हैं तो आपको अपने ऊपर ध्यान देने की जरूरत है। आप डिसीजन मेकिंग नहीं कर पा रहे हैं, इस कारण आपका तनाव बढ़ता जा रहा है और आप ओवर थिंकिंग के शिकार हो रहे हैं। ओवर थिंकिंग जब हावी होने लगे तो आपको धर्म का मार्ग अपनाना चाहिए, क्योंकि धर्म का मार्ग विकल्प से निर्विकल्प की ओर आपको ले जाता है। जब विकल्प बढ़ेंगे तो चिंता भी बढ़ेगी, जितना अधिक आप विकल्प तलाशेंगे, उतने ही आपके कर्म बंधते जाएंगे।

संगीतकार सलील की स्मृति में मुक्ताकाशी मंच पर गूंजेंगे गीत

रायपुर। संगीतकार सलील चौधरी की स्मृति में आगामी शनिवार को मुक्ताकाशी मंच पर संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसमें फनकार गीतों से स्वरांजलि देंगे। यह पहल स्वर सप्तक संस्था के अध्यक्ष उदय दास के मार्गदर्शन में होने जा रही है। उन्होंने बताया कि संस्था फिल्म संगीतकार सलील चौधरी की स्मृति में संगीत की महफिल सजाने की तैयारी में है। यह आयोजन संस्कृति विभाग परिसर में मुक्ताकाशी मंच पर होगा। सलील चौधरी मुख्य रूप से सितार वादक थे। उन्होंने कई हिंदी और बांग्ला फिल्मों के लिए संगीत रचना की। इसमें अंचल की चर्चित सिंगर वंदना कुलदीप, शिवानी बानी, नमिता गुप्ता, डॉ. रश्मि सिंह, भूमि सागर, श्रुति संधी गीतों से स्वरांजलि देंगी। इनके साथ ही ओमप्रकाश, दिनेश वर्मा, दीपेंद्र हलधर, डॉ. जावेद अली, अजय कर्मोकार, एसपी शर्मा सुरमयी गीतों की प्रस्तुति देंगे।

विजय जोशी को मिलेगा संगीत रत्न

मंच संचालन प्रीति राजवैद्य एवं संगीत संयोजन राजकुमार यशुदास द्वारा किया जाएगा। मुख्य सलाहकार प्रदीप श्रीवास्तव एवं रामदास अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। इसमें श्रीराम संगीत महाविद्यालय के संस्थापक एवं संगीताचार्य पं. विष्णु कृष्ण जोशी के मरणोपरांत उनके पुत्र संगीत मर्मज्ञ विजय जोशी को संगीत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही संगीत के क्षेत्र में पं. जोशी द्वारा किए गए कार्यों के बारे में लोगों को अवगत कराया जाएगा। संस्था का मुख्य उद्देश्य नवोदित प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और उन्हें सम्मानित करना है।

मुत्यालम्मा रूप में शोलापुरी माता ने दिया दर्शन, आरती में उमड़ी भीड़

रायपुर। श्रीश्रीश्री शोलापुरी माता पूजा उत्सव समिति ने इस बार जहां अयोध्या में राम मंदिर की तर्ज पर डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में जारी शोलापुरी माता पूजा उत्सव के लिए पंडाल सजाया है। वहीं हर दिन माता अपने भक्तों को अलग रूप में दर्शन देती हैं। सोमवार को भक्तिमय माहौल में जब आरती की थाली सजी तो मुत्यालम्मा माता स्वरूप में शोलापुरी माता ने भक्तों को दर्शन दिया। माता की एक झलक पाने के लिए हर वर्ग के लोगों की भीड़ पंडाल ही नहीं मेला क्षेत्र में भी देखने लायक थी। जब लोगों को माता का पट खुलने का पता चला तो जो लोग मेला का लुत्फ उठा रहे थे, वे भी हाथों में मोबाइल लिए पंडाल की ओर बढ़े। इनमें महिलाओं की सक्रियता ज्यादा देखने को मिली।

दूर से आने वालों के लिए मेला व स्टाल

पूजा उत्सव समिति के अध्यक्ष बी. श्रीनिवास राव, सचिव एम. वेंकट रमना, कोषाध्यक्ष एल. वेंकटेश्वर राव इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दे रहे हैं,ताकि लोगों को परेशानी न होने पाए। समिति के सलाहकार डी. गोविंद राव ने बताया कि इस आयोजन का हिस्सा बनने के लिए रायपुर ही नहीं आसपास के दूसरे शहरों से भी लोग परिवार के साथ आयोजन का हिस्सा बनने के लिए आते हैं। इसे देखते हुए ही पंडाल के पास उन्हें खान-पान की सुविधा देने के लिए स्टाल लगवाए जाते हैं। इसमें बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले और खिलौनों की श्रृंखला सज रही है।

ज्योतिष

शुक्रवार को इस विधि से करें मां लक्ष्मी की पूजा, बरसेगी असीम कृपा ....

हिंदू धर्म में शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित किया गया है। इस दिन मां की पूजा के साथ-साथ उनके नाम का व्रत भी किया जाता है। माना जाता है कि जो व्यक्ति शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी का व्रत करता है उस पर मां अपनी कृपा हमेशा बनाए रखती हैं।

वहीं, अगर आप किसी तरह के संकट से जूझ रहे हैं तो आपको शुक्रवार के दिन सही पूजा विधि के साथ मां लक्ष्मी की पूजा जरूर करनी चाहिए। इससे आपकी हर मनोकामना पूरी होगी और आपके घर में धन धान्य की कमी कभी नहीं होगी। तो चलिए बिना किसी देरी के जानते हैं कि शुक्रवार के दिन आपको मां लक्ष्मी की पूजा किस पूजा विधि के साथ करनी चाहिए।

मां लक्ष्मी की पूजा विधि

शुक्रवार को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि संपन्न करें।

इसके बाद घर और पूजा स्थल को अच्छी तरह से साफ करें और गंगा जल या धूपबत्ती से शुद्ध करें।

अब किसी चौकी पर लाल/पीला रंग का कपड़ा बिछाएं और उस पर देवी लक्ष्मी की मूर्ती या चित्र स्थापित करें।

अब माता को कुमकुम, हल्दी, चावल, मिठाई, फल आदि अर्पित करें।

शुद्धिकरण के लिए घी/तेल के दीये और धूपबत्ती से पूजा शुरू करें।

लक्ष्मी पूजा करते समय "ओम श्रीं महालक्ष्म्यै नमः" मंत्र का जप करें।

लक्ष्मी आरती गाएं या 108 नामों का जाप करें।

देवी को मिठाई, फल और कोई भी घर का बना शुद्ध भोजन अर्पित करें।

पूजा को मौन प्रार्थना के साथ समाप्त करें और प्रसाद को सभी लोगों के साथ वितरित करें।

सूर्यदेव को अर्घ्य देते वक्त पानी में मिलाएं ये चीजें, मिलेगा आर्शीवाद

बता दें कि हर सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सबसे पहले भगवान सूर्य को जल दिया जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, भगवान सूर्य को जल देना न केवल अच्छा माना जाता है बल्कि इससे भगवान सूर्य भी प्रसन्न होते हैं। कहते हैं भगवान सूर्य को जल देने से सारे कष्ट दूर होते हैं और व्यक्ति का दिन भी अच्छा जाता है। लेकिन यदि सूर्य देव के जल में कुछ चीजों को डालकर उन्हें अर्घ्य दिया जाए तो इससे भगवान सूर्य की असीम कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में इन चीजों के बारे में पता होना जरूरी है। आज जानते हैं कि भगवान सूर्य के जल में किन-किन चीजों को डालकर जल अर्पित किया जाना चाहिए।

सूर्य के जल में डालें ये चीजें : आप सूर्य भगवान के पानी में सफेद तिल को डालें। बता दें, सफेद तिल को पानी में डालकर अर्घ्य देने से न केवल घर में सुख समृद्धि आती है बल्कि व्यक्ति को तरक्की भी मिलती है। इससे करियर के नए रास्ते खुलते हैं। साथ ही भगवान सूर्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

गुड़ डालना बेहद शुभ : यदि आप सूर्यदेव के जल में गुड़ डालकर अर्घ्य देते हैं तो ऐसा करना भी बेहद ही शुभ माना जाता है। इससे न केवल जीवन में मधुरता आ सकती है बल्कि तरक्की के दरवाजे भी खुल सकते हैं। सूर्य भगवान को गुड बेहद ही पसंद है। ऐसे में उनका आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है।

हल्दी से गुरु की दशा अच्छी होती है: आप भगवान सूर्य को जल देते वक्त उसमें हल्दी मिलाएं। बता दें, हल्दी भगवान बृहस्पति देव को अर्पित होती है। वहीं यदि आप सूर्यदेव के जल में हल्दी मिलाते हैं तो इससे गुरु की दशा अच्छी होती है साथ ही व्यक्ति की शादी के योग भी बनते हैं।

तांबे के लोटे से जल करें अर्पित : व्यक्ति को जल तांबे के लौटे में देना चाहिए। हमेशा पूर्व दिशा की ओर मुंह करके जल देना चाहिए। जल चढ़ाते वक्त सूर्य भगवान का मंत्र जपना चाहिए। जल हमेशा सिर से थोड़ा ऊपर हाथ करके देना चाहिए।

आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही दही को एक गुणकारी आहार मानते हैं

दही एक गुणकारी आहार, रोजाना खाने से दूर होंगी ये बीमारियां

दही भारतीय रसोई का अहम हिस्सा है। चाहे पराठों के साथ हो, कढ़ी में इस्तेमाल हो या फिर रायते के रूप में – दही का स्वाद और स्वास्थ्य दोनों में खास योगदान होता है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही दही को एक गुणकारी आहार मानते हैं। यदि आप इसे रोजाना अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो कई बीमारियों से खुद को बचा सकते हैं। आइए जानते हैं कि रोजाना दही खाने से किन-किन बीमारियों से राहत मिल सकती है-

पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम मजबूत

दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स यानी अच्छे बैक्टीरिया आपके पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। ये कब्ज, गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। दही में विटामिन बी12 और राइबोफ्लेविन जैसे पोषक तत्व होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे आप सामान्य सर्दी-जुकाम से लेकर वायरल संक्रमण तक से बचे रह सकते हैं।

हड्डियां और दांत मजबूत

दही कैल्शियम और फॉस्फोरस का अच्छा स्त्रोत है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस और दांतों की कमजोरी जैसी समस्याएं नहीं होतीं।

कब और कैसे खाएं दही?

दही दिन के समय खाना सबसे अच्छा है। रात में दही खाने से कुछ लोगों को सर्दी-जुकाम की समस्या हो सकती है, इसलिए इससे बचें। दही को चीनी के बजाय थोड़ा सा काला नमक या भुना जीरा डालकर खाएं। ताजे और बिना खट्टे दही का ही सेवन करें।

ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल सहित ये भी फायदे

रोजाना कम वसा वाला दही खाने से हाई ब्लड प्रेशर और खराब कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित किया जा सकता है। इससे हृदय संबंधी रोगों का खतरा कम हो जाता है। दही में मौजूद जिंक और लैक्टिक एसिड त्वचा को साफ और चमकदार बनाते हैं। वहीं बालों में दही लगाने से डैंड्रफ और रूखापन दूर होता है। दही प्रोटीन से भरपूर होता है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है। इससे ओवरईटिंग नहीं होती और वजन नियंत्रित रहता है।

बासी रोटी पाचन की अग्नि करती है कमजोर बन सकती है कई समस्याओं का कारण

हमारे भारतीय खानपान में रोटियां एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिन्हें हर भोजन में शामिल किया जाता है। ताजे खाने का सेवन हमेशा ही शरीर के लिए फायदेमंद माना जाता है, लेकिन बासी रोटी का सेवन कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, ताजे खाने की तुलना में बासी खाना शरीर के लिए हानिकारक होता है, क्योंकि यह शरीर के पाचन तंत्र और समग्र स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आयुर्वेद में पाचन को अग्नि कहा जाता है, जो कि शरीर के समग्र स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बासी रोटी खाने से पाचन की अग्नि कमजोर हो सकती है, जिससे विभिन्न समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

आयुर्वेद में हर भोजन के ताजे और ताजे तरीके से सेवन की महत्वता बताई जाती है, क्योंकि ताजे खाने में सभी पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं और शरीर में सही तरीके से पच जाते हैं। बासी रोटी, जो कि एक दिन से अधिक पुरानी होती है, शरीर में भारीपन और पाचन समस्याओं को जन्म देती है।

बासी रोटी खाने से होते हैं ये नुकसान

पाचन तंत्र पर दबाव : आयुर्वेद के अनुसार, बासी रोटी खाने से पाचन तंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। जब रोटी पुरानी होती है, तो उसकी बनावट और पोषक तत्वों में बदलाव आ जाता है,

जिससे शरीर उसे सही से पचाने में सक्षम नहीं होता। यह पाचन की अग्नि को मंद कर देता है, जिससे अपच, गैस और कब्ज जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। बासी रोटी में ज्यादा मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो पाचन में कठिनाई पैदा करते हैं।

शरीर में विषाक्त पदार्थों का निर्माण : बासी रोटी शरीर में विषाक्त पदार्थों (अम्ल और टॉक्सिन्स) का निर्माण करती है। पुराना भोजन शरीर में धीरे-धीरे अम्लीयता पैदा करता है, जिससे शरीर की शक्ति और ऊर्जा घटने लगती है। इससे शरीर में व्रुद्धि की प्रक्रिया भी तेज हो सकती है। व्यक्ति जल्दी थका हुआ महसूस कर सकता है। बासी रोटी त्वचा की समस्याएं उत्पन्न कर सकती हैं।

शरीर में सूजन और दर्द : बासी रोटी के सेवन से शरीर में सूजन भी हो सकती है। आयुर्वेद में यह बताया गया है कि बासी खाना शरीर में वात दोष (वात दोष का असंतुलन) को बढ़ाता है, जिससे जोड़ो में दर्द और शरीर में सूजन हो सकती है।

अगर आप हर रोज एक गिलास लस्सी पीते हैं तो मिल सकते हैं कमाल के फायदे

गर्मियों का मौसम हो या पेट को शांत करने की बात हो, लस्सी एक ऐसा पेय है जो भारतीय रसोई का अहम हिस्सा है। यह न केवल स्वादिष्ट होती है, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी बेहद फायदेमंद होती है। अगर आप रोजाना 1 गिलास लस्सी पीते हैं, तो आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। चलिए जानते हैं लस्सी पीने के कुछ कमाल के फायदे-

पाचन तंत्र व ऊर्जा को रखे बेहतरीन

लस्सी में मौजूद प्रोबायोटिक्स यानी अच्छे बैक्टीरिया आपके डाइजेस्टिव सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। रोजाना 1 गिलास लस्सी पीने से पेट में गैस, अपच, और एसिडिटी जैसी समस्याओं में काफी राहत मिलती है। गर्मी में अक्सर शरीर थका-थका सा लगता है, लेकिन लस्सी में मौजूद लैक्टोज और ग्लूकोज़ शरीर को ताज़गी और ऊर्जा देते हैं। ये एक नेचुरल एनर्जी ड्रिंक की तरह काम करती है।

शरीर को ठंडक, इम्यून सिस्टम मजबूत

लस्सी शरीर के तापमान को नियंत्रित करती है और अंदरूनी गर्मी को शांत करती है। गर्मियों में रोजाना एक गिलास लस्सी पीने से लू लगने का खतरा भी कम होता है। लस्सी में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया न सिर्फ पेट के लिए फायदेमंद होते हैं, बल्कि ये शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाते हैं। इससे सर्दी-जुकाम जैसी आम बीमारियों से बचाव होता है।

कैल्शियम-फॉस्फोरस से भरपूर, डिहाइड्रेशन से बचाव

गर्मी में शरीर से नमक और पानी बहुत जल्दी निकल जाता है। अगर आप नमक और मसालों के साथ लस्सी पीते हैं, तो यह इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपाई करता है और शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाता है। हड्डियों और दांतों के लिए फायदेमंदः लस्सी में कैल्शियम और फॉस्फोरस अच्छी मात्रा में होते हैं, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं। यह खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों के लिए बेहद फायदेमंद होती है।

जल्दी फिट होने की चाहत में तो नहीं कर रहे ओवर एक्सरसाइज़?

ऐसा करने से शरीर में शुरू हो सकती हैं कई समस्याएं

स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम करना बहुत लाभदायक होता है, लेकिन जब यह सीमाओं से अधिक हो जाए तो शरीर को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान भी कर सकता है। बहुत से लोग फिटनेस या वजन घटाने की जल्दी में अपने शरीर को जरूरत से ज्यादा थका देते हैं, जिसका असर उनके स्वास्थ्य पर बुरा पड़ता है।

ओवर एक्सरसाइज़ यानी अत्यधिक व्यायाम से न केवल शारीरिक थकान होती है, बल्कि यह मांसपेशियों, हॉर्मोन और मानसिक स्थिति को भी प्रभावित करता है। खासतौर पर तब जब पर्याप्त आराम, पोषण और रिकवरी का ध्यान न रखा जाए। आइए जानते हैं ओवर एक्सरसाइज़ से होने वाले पांच बड़े नुकसान के बारे में, जो आपकी सेहत को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

मांसपेशियों में थकावट और चोट का खतरा : जब आप लगातार बिना ब्रेक के ज़्यादा समय तक व्यायाम करते हैं, तो मांसपेशियों को रिकवरी का समय नहीं मिल पाता। इससे सूजन, दर्द और खिंचाव जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ओवर ट्रेनिंग से मसल टिशू टूट सकते हैं और इंजरी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। लंबे समय तक आराम की ज़रूरत भी पड़ सकती है, जिससे आपकी फिटनेस का लक्ष्य और पीछे चला जाता है।

इम्यून सिस्टम कमजोर होना : अत्यधिक एक्सरसाइज़ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को घटा सकता है। व्यायाम के दौरान शरीर में कोर्टिसोल (तनाव हॉर्मोन) का स्तर बढ़ता है, जो इम्यून सिस्टम को दबा सकता है। इससे सर्दी, फ्लू, या वायरल इन्फेक्शन जल्दी पकड़ सकते हैं। यदि आप लगातार बीमार पड़ रहे हैं, तो यह संकेत हो सकता है कि आपकी एक्सरसाइज़ ज़रूरत से ज्यादा है।

नींद में कमी या अनिद्रा : ओवर एक्सरसाइज़ से नर्वस सिस्टम पर दबाव बढ़ता है, जिससे शरीर पूरी तरह शांत नहीं हो पाता और नींद में परेशानी होती है। कई बार लोगों को रात में बार-बार उठना या गहरी नींद न आना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। नींद की कमी शरीर की रिकवरी प्रक्रिया को प्रभावित करती है, जिससे थकावट और चिड़चिड़ापन बढ़ता है।

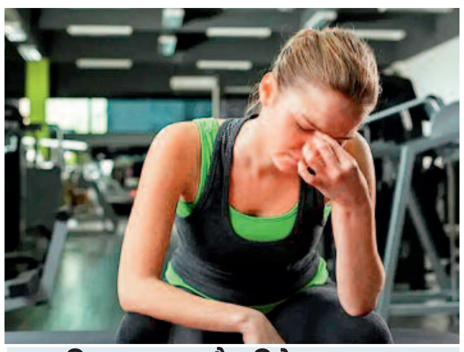

मानसिक तनाव और डिप्रेशन

शरीर के साथ-साथ दिमाग भी ओवर ट्रेनिंग से थक जाता है। लगातार थकावट, प्रदर्शन का दबाव और रिज़ल्ट न मिलने पर मानसिक तनाव बढ़ सकता है। इससे व्यक्ति चिड़चिड़ा हो सकता है या अवसाद में भी जा सकता है। मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए एक्सरसाइज़ में संतुलन और विश्राम उतना ही ज़रूरी है जितना शरीर के लिए।

एक्सरसाइज के साथ बनाए रखें संतुलन

फिट और हेल्दी रहने के लिए एक्सरसाइज़ ज़रूरी है, लेकिन उसमें संतुलन बनाए रखना और शरीर की सीमाओं को समझना भी उतना ही आवश्यक है। ओवर एक्सरसाइज़ करने से पहले अपने शरीर की जरूरतों को पहचानें और पर्याप्त आराम व पोषण पर भी ध्यान दें, ताकि सेहतमंद जीवन का लक्ष्य सच में पूरा हो सके।

गर्मी में भी गुलाब से भरी रहेगी आपकी बगिया इस तरीके से करें रोज़ प्लांटेशन, ग्रोथ होगी तेज़

मिट्टी की तैयारी और गमले का चयन

गुलाब का पौधा अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में बेहतर बढ़ता है। गर्मियों में मिट्टी जल्दी सूखती है, इसलिए इसे नमी बनाए रखने वाली मिट्टी के साथ तैयार करना जरूरी है। मिट्टी तैयार करने के लिए 50% बगीचे की मिट्टी, 25% गोबर की खाद और 25% रेत का मिश्रण सबसे उपयुक्त होता है। अगर गमले में पौधा लगाना है, तो कम से कम 12 से 15 इंच गहराई वाला गमला चुनें ताकि जड़ों को पर्याप्त जगह मिल सके।

गर्मी में पौधारोपण का सही समय

गुलाब की कटिंग से पौधा उगाने का सबसे अच्छा समय फरवरी से अप्रैल के बीच होता है। हालांकि मई में भी कटिंग लगाई जा सकती है, बशर्ते पौधे को सीधी धूप से बचाया जाए। कटिंग को लगाने से पहले कुछ घंटे पानी में भिगो कर रखना चाहिए ताकि उसमें नमी बनी रहे और जड़ें जल्दी निकलें।

धूप और पानी देने का तरीका

गर्मी में गुलाब के पौधे को सीधी दोपहर की धूप से बचाना चाहिए। इसके लिए छायादार नेट का इस्तेमाल करें या पौधे को ऐसी जगह रखें जहां सुबह की हल्की धूप मिले लेकिन दोपहर की तेज धूप न पड़े। पानी देने का सही समय सुबह जल्दी या शाम को है, जब तापमान कम होता है। दिन में पानी देने से मिट्टी का तापमान और बढ़ सकता है, जिससे जड़ें जल सकती हैं।

खाद और कीट नियंत्रण

हर 15 दिन में एक बार जैविक खाद डालनी चाहिए ताकि पौधे को आवश्यक पोषण मिलता रहे। गर्मियों में पत्तियों पर कीड़े लगने की संभावना ज्यादा होती है, इसलिए नीम का तेल या कोई जैविक कीटनाशक सप्ताह में एक बार छिड़कें। अगर मौसम के अनुसार देखभाल की जाए, तो गर्मियों में भी गुलाब का पौधा न केवल हरा-भरा रहता है बल्कि उसमें खूबसूरत फूल भी खिलते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

लेडी गागा ने रच दिया इतिहास, 25 लाख लोगों के सामने धमाकेदार कॉन्सर्ट

रियो डी जनेरियो के मशहूर कोपाकबाना बीच पर हाल ही में पॉप सुपरस्टार लेडी गागा ने एक ऐसा कॉन्सर्ट दिया, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया। इस मुफ्त कॉन्सर्ट में करीब 25 लाख लोग शामिल हुए, जो किसी महिला कलाकार के कॉन्सर्ट में अब तक की सबसे बड़ी भीड़ है। इस शानदार प्रदर्शन ने मैडोना का पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया। यह लेडी गागा का लगभग एक दशक बाद ब्राजील में पहला कॉन्सर्ट था। लेडी गागा ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में इस खास पल को साझा करते हुए लिखा, 'बीती रात के शो के दौरान जो एहसास मुझे हुआ, उसके लिए मैं बिल्कुल तैयार नहीं थी। ब्राजील के लोगों के लिए गाते हुए मुझे जो गर्व और खुशी महसूस हुई, वह शब्दों में बयां करना मुश्किल है। जब मैंने शुरुआत में गाना शुरू किया और भीड़ को देखा तो मेरी सांसें थम गईं। आपका दिल, आपकी संस्कृति रंगों से भरी और खास है। मैं दिल से आभारी हूं कि मुझे आपके साथ यह ऐतिहासिक पल बांटने का मौका मिला।' उन्होंने आगे कहा, '25 लाख लोग मुझे देखने आए जो किसी महिला कलाकार के लिए सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। मैं चाहती हूं कि यह खुशी दुनिया के हर कोने तक पहुंचे।

टॉलीवुड

'ठग लाइफ' से सामने आया तृषा कृष्णन का लुक

टर्मरिक मीडिया ने तृषा कृष्णन की आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' से उनका एक शानदार लुक शेयर किया है। फिल्म के इस लुक में तृषा कुछ सोचती नजर आ रही हैं। व्हाइट शर्ट के साथ रेड स्कर्ट में तृषा सिंपल और खूबसूरत नजर आ रही हैं। वह सीढ़ी पर बैठी किसी गहन विचार में लीन नजर आ रही हैं और इस लुक के साथ पोस्टर पर लिखा है- हैप्पी बर्थ डे तृषा। इस तस्वीर में तृषा के पीछे खुला आसमान दिखाई दे रहा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'ठगों की दुनिया से दिलों की रानी तक - जन्मदिन मुबारक तृषा कृष्णन, हैप्पी बर्थडे तृषा, ठगलाइफ, ठग लाइफ फ्रॉम, जून5 कमल हासन। फिल्म का निर्माण मणिरत्नम करेंगे और इस फिल्म का संगीत ए आर रहमान तैयार करेंगे। 'ठग लाइफ' में कमल हासन और तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मणिरत्नम और एआर रहमान की जोड़ी 'ठग लाइफ' फिल्म में एक साथ काम कर रही है। 'ठग लाइफ' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। फिल्म में कमल हासन और तृषा के अलावा सिलाम्बरासन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

भोजपुरी

रिंकू घोष की वापसी के ऐलान से भोजपुरी सिनेमा में हलचल

भोजपुरी सिनेमा की मोहक, मादक अभिनेत्री रिंकू घोष याद हैं ना आपको? वही जिन्हें भोजपुरी फिल्म जगत की ड्रीम गर्ल कहकर पुकारा गया और जिन्होंन मनोज तिवारी, रवि किशन और दिनेश लाल यादव निरहुआ जैसे भोजपुरी के सितारों के साथ कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। भोजपुरी सिनेमा के बाद तेलुगु व हिंदी सिनेमा में भी रिंकू ने धमाल मचाया। टीवी पर कमाल दिखाया और फिर एक दिन ओमान के एक धन्ना सेठ के साथ शादी करके ससुराल चली गईं। खबर है कि रिंकू घोष अब फिर से भोजपुरी सिनेमा में लौट रही हैं। रिंकू ने अमित दत्ता रॉय से शादी की है जो ओमान में एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करते हैं। रिंकू घोष की वापसी जिस फिल्म से होने जा रही है, उसका नाम है, 'रेशम की डोरी'। फिल्म के निर्देशक शत्रुघ्न गोस्वामी हैं और फिल्म में रिकूघोष के नायक हैं जय। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में ड्रीम गर्ल के नाम से मशहूर रहीं रिंकू घोष भोजपुरी की कई हिट फिल्मों में बतौर नायिक काम कर चुकी है। साथ ही उन्होंने भोजपुरी मेगास्टार मनोज तिवारी, रविकिशन और दिनेश लाल यादव निरहुआ जैसे कई बड़े स्टार के साथ के साथ स्क्रीन भी शेयर किया है। लेकिन बीते कुछ समय से रिंकू इंडस्ट्री से गायब थीं। रिंकू भोजपुरी की ऐसी एक्ट्रेस हैं जो मिस मुंबई का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। उन्होंने भोजपुरी फिल्म 'सुहागन बनाद सजना हमार' के साथ इंडस्ट्री में कदम रखा। फिर एक के बाद एक उन्होंने हिट फिल्मों की लाइन लगा दी जिनमें 'दरोगा बाबू आई लव यू', 'बलिदान', 'सात सहेलियां', 'रखवाला', ' नगीना और 'विदाई प्रमुख रहीं। रिंकू घोष भोजपुरी के साथ ही हिंदी और तेलुगु भाषा की फिल्मों में भी काम कर चुकी है। इसके अलावा रिंकू ने कई टीवी शो में भी काम किया है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह अपने शानदार लुक और स्टाइलिश अंदाज की वजह से हमेशा सुर्खियों में छाई रहती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इस लेटेस्ट लुक में वह सुपर ग्लैमरस लग रही थीं। इस दौरान एक स्ट्रैपलेस ब्लैक वेल्वेट ड्रेस में दिखीं, जिसमें वो सच में कमाल की लग रही थीं। ये ड्रेस एक कोर्सेट-स्टाइल स्वीटहार्ट नेकलाइन में थी, जो काफी डीप प्लंजिंग थी और इसे सिल्वर पाइप-स्टाइल थ्रेड से जोड़ा गया था। नेकलाइन पर चमकदार राइनस्टोन्स की लाइनिंग थी, जो इस वेल्वेट ड्रेस को और भी रॉयल और शानदार टच दे रही थी।

स्किन को फ्रेश और हाइड्रेट रखेंगे ये फ्रूट फेस मास्क, कर लें नोट

गर्मियों के मौसम में बाजार में कई तरह के फल मिलते हैं, जिनमें आम से लेकर तरबूज, अंगूर तक सब शामिल है। इन फलों को खाने से जहां सेहत दुरुस्त होती है वहीं इन्हें फेस पर लगाने से चेहरा चमक उठता है। जी हां, आज हम आपको कुछ ऐसे फल बताने जा रहे हैं जिन्हें आप फेस मास्क के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन फलों के इस्तेमाल से आपकी स्किन अंदर से हेल्दी होकर बाहर से ग्लो करने लगेगी। तो चलिए बिना किसी देरी के जानते हैं इन अमेजिंग फ्रूट मास्क के बारे में।

केला और शहद का मास्क, स्ट्रॉबेरी और दही का मास्क : केला और शहद मास्क ड्राई स्किन को नमी देकर उसे स्मूद बनाता है। आप इन दोनों चीजों को मिलाकर इसके पेस्ट को चेहरे पर लगा सकते हैं। स्ट्रॉबेरी और दही का मास्क एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है। जिससे स्किन क्लीन और ग्लोइंग बनती है। इसके लिए आपको इन दोनों चीजों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाना है।

मैंगो-दही, कीवी और शहद का मास्क : मैंगो और दही का मास्क त्वचा को गहराई से हाइड्रेट करता है। इन दोनों चीजों को मिलाकर चेहरे पर लगाएं और कुछ देर बार फेस धो लें। कीवी और शहद का मास्क त्वचा की रंगत को एक समान करता है और अच्छी तरह से हाइड्रेट करता है। इसका पेस्ट बनाकर फेस पर मास्क की तरह लगाएं।

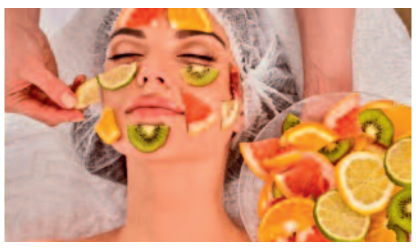

तरबूज, संतरे-नींबू से बनाएं मास्क : तरबूज का मास्क डैमेज स्किन को रिपेयर करता है। इसके लिए आप इसे अच्छे से मैश करके पूरे फेस पर लगा सकते हैं। संतरे और नींबू के रस का मास्क- संतरे और नींबू के रस का मास्क त्वचा को चमकदार बनाता है और काले धब्बे मिटाता है। इसे हफ्ते में दो बार जरूर इस्तेमाल करें।

अनानास और शहद का मास्क

अनानास और शहद का मास्क त्वचा को प्राकृतिक रूप से एक्सफोलिएट करता है। इसे मिलाकर पूरे चेहरे पर लगाएं। सेब और शहद का मास्क मुँहासे कम करता है और त्वचा को नमी देता है। गर्मियों में इसे अपने चेहरे पर मास्क की तरह जरूर लगाएं। एवोकाडो और दही का मास्क सूखी त्वचा को गहराई से पोषण देता है और उसे मुलायम बनाता है। एवोकाडो को मैश करके इसमें शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं। अंगूर और नींबू के रस का मास्क त्वचा में चमक लाता है और उसे तुरंत तरोताजा करता है। गर्मियों में आप इसका इस्तेमाल जरूर करें।

इस साल फैशन की दौड़ में खूब ट्रेंड में हैं लड़कियों के ये सूट डिजाइन....

इस बार शादी पार्टी या किसी ओकेजन में आप सूट पहन कर अपने लुक से सभी को इंप्रेस करना चाहती हैं,तो ये लेटेस्ट और ट्रेंडी डिजाइन ट्राई करके एकदम ग्लैमरस और स्टनिंग दिख सकती हैं। इस बार शादी पार्टी या किसी ओकेजन में आप सूट पहन कर अपने लुक से सभी को इंप्रेस करना चाहती हैं, तो ये लेटेस्ट और ट्रेंडी डिजाइन ट्राई करके एकदम ग्लैमरस और स्टनिंग दिख सकती हैं।

काफ्तान स्टाइल और मिरर वर्क : काफ्तान स्टाइल सूट कूल, कंफर्टेबल और स्टाइलिश लुक के लिए आप करीना कपूर की तरह काफ्तान स्टाइल सूट पहन सकती हैं। जैसे उन्होंने मैजेंटा पिंक कलर का काफ्तान स्टाइल का गोल्डन नेकलाइन वर्क किया हुआ सूट कैरी किया हैं। इसी प्रकार मिरर वर्क सूट 2025 में मिरर वर्क सूट का ट्रेंड बहुत ज्यादा है, खासकर पेस्टल कलर में सिल्वर मिरर वर्क किया हुआ हैवी नेकलाइन वर्क सूट आप कैरी कर सकते हैं।

दुबली-पतली लड़कियों के लिए : पेप्लम स्टाइल शॉर्ट कुर्ता दुबली पतली लंबी लड़कियों पर इस तरह की ग्रीन पेप्लम स्टाइल शॉर्ट कुर्ती बहुत ही स्टाइलिश लगेगी। इसके साथ धोती स्टाइल पैंट्स कैरी करके एकदम ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक पाएं। अंगरखा पैटर्न सूट डिजाइन कॉटन फैब्रिक में लाइट पर्पल या लैवेंडर कलर के शेड में आप इस तरह का अंगरखा पैटर्न का कुर्ता और घेरदार गरारा बनवा सकते हैं, इसमें ढेर सारी टैसल्स लगवा कर एकदम ट्रेंडी लुक पाएं।

टिशू कुर्ता संग चूड़ीदार सलवार : टिशू कुर्ता के साथ पहनें चूड़ीदार सलवार चूड़ीदार सलवार का ट्रेंड एक बार फिर से इन में है। आप गोल्डन कलर के चूड़ीदार सलवार के साथ पिंक कलर का टिशू फैब्रिक का पफ स्लीव्स स्टैंड कॉलर कुर्ता पहन सकते हैं। उसके साथ चौड़ी बॉर्डर वाली चुन्नी पहनकर एकदम ट्रेडिशनल लुक अपनाएं। किसी वेडिंग फंक्शन में आप घेरदार बनारसी गरारे के साथ सिल्क फैब्रिक में लॉन्ग स्ट्रेट कट कुर्ती पहन सकते हैं।

नया कपड़ा खरीदे बगैर दिखेंगी स्टाइलिश बस इन टिप्स को फॉलो करें....

महिलाएं अक्सर ट्रेंडी और फैशनेबल लुक्स के लिए हर रोज नये कपड़े खरीदती हैं। लेकिन बावजूद उनका लुक इंटरेस्टिंग और स्टाइलिश नहीं दिखता। दरअसल, वो रेडी होते वक्त एक गलती करती है। जिसकी वजह से सुंदर से सुंदर और फैशनेबल कपड़े भी उन पर जंचते नहीं है। तो अगली बार कपड़ों की शॉपिंग करने के बजाय आलमारी में पहले से रखें कपड़ों को पहनने के साथ इन स्टाइल टिप्स को फॉलो करें।

थोड़ा मेकअप करें : ज्यादातर इंडियन घरों में मिड एज की हाउसवाइफ मेकअप करने से परहेज करती हैं। जिसकी वजह से उनका लुक हर वक्त बोरिंग दिखता है और शीशे के सामने उन्हें जरा भी अट्रैक्टिव लुक नहीं दिखता है। बार-बार नए कपड़े खरीदने की बजाय अपने लिए लिपस्टिक और काजल जैसी चीजों पर इन्वेस्ट करें। लाइट मेकअप आपके सिंपल लुक को फैशनेबल बना देगा। ब्राइट कलर की लिपस्टिक अवॉएड करती हैं तो न्यूड पिंक, ब्राउन शेड के ब्यूटीफुल कलर को आजमाएं। साथ ही हल्का आई मेकअप ब्यूटी को इनहैंस करने में मदद करेगा।

पर्स पर करें इन्वेस्ट : वहीं बोरिंग सी पर्स टांगने की बजाय स्टाइलिश टोटे बैग या क्लच की शॉपिंग करें। इस तरह के पर्स साड़ी या सूट जैसे सिंपल ड्रेस के साथ भी आपको अट्रैक्टिव बना देगी। स्लिंग बैग, हैंडपर्स जैसे बैग को अपनी वॉर्डरोब में शामिल करें।

ज्वैलरी हो अट्रैक्टिव : शादीशुदा हैं तो चूड़ी और मंगलसूत्र तो पहनती ही होंगी। चूड़ियों में वैराइटी खरीदें और अलग डिजाइन के नेकपीस की शॉपिंग करें। इससे आप अपने लाइट कुर्ता लुक को भी फैशनेबल बना पाएंगी। इसके अलावा फैंसी वॉच को अपने लुक का हिस्सा बनाएं।

साड़ी संग ब्लाउज की ये अट्रैक्टिव डिजाइन बनवा ली तो शादी की महफिल में आप ही आप दिखेंगी

शादियों के सीजन में लेटेस्ट साड़ियों के साथ वहीं बोरिंग पैटर्न के ब्लाउज ना सिलवाएं। बल्कि इन ब्यूटीफुल और ग्रेसफुल लगने वाले बैक एंड फ्रंट नेक ब्लाउज की डिजाइन स्टिच करवाएं।[साड़ी संग ब्लाउज की ये अट्रैक्टिव डिजाइन बनवा ली तो शादी की महफिल में आप ही दिखेंगी]

लेटेस्ट ब्लाउज डिजाइन : शादियों का सीजन चल रहा है। महिलाएं फंक्शन अटेंड करने के लिए अलग-अलग डिजाइन की साड़ियां खरीदती हैं। लेकिन ब्लाउज वहीं बोरिंग डिजाइन के सिलवा लेती हैं। अपनी साड़ी के साथ खुद की स्टाइल को चेंज करना चाहती हैं तो ब्लाउज के ये डिजाइन स्टिच करवाएं। ये आपके सादगीभरे लुक को भी फैशनेबल बना देंगे। सेव कर लें ये सुंदर फोटोज।

बॉर्डर से बनवाएं बैक : साड़ी में अगर जरी वर्क का बॉर्डर है तो ब्लाउज की बैक पर इस बॉर्डर की मदद से नेकलाइन बनवाएं। ये सिंपल ब्लाउज की डिजाइन को बिल्कुल फैंसी बना देगा।

यू शेप डिजाइन : ब्लाउज की बैक पर यू शेप डिजाइन क्लासिक लुक देता है। साथ ही एंब्रायडरी को स्लीव पर अटैच करवाएं। जिससे कि ब्लाउज बिल्कुल फीका नजर ना आए।

वी नेक बैक : ब्लाउज की बैक को बैकलेस लुक देना चाहती हैं तो इस तरह वी नेक डिजाइन को स्टिच करवा सकती हैं। अगर बैकलेस लुक नहीं चाहिए तो वी शेप के कट को थोड़ा छोटा करवाएं। तब ब्लाउज का लुक अट्रैक्टिव दिखेगा।

स्लीक वी नेक : बैक पर वी नेक जैसा बैकलेस डिजाइन बनवाना है लेकिन पूरी तरह से कंफर्टेबल लुक चाहिए तो इस तरह बैक की नेकलाइन पर छोटी स्ट्रिप से दोनों शोल्डर को अटैच करें। जिससे शोल्डर गिरे नहीं और साथ ही स्लीक वी शेप कट करवाएं।

कार्नर न्यूज

लेटेस्ट ट्रेंड वाली प्रिंटेड शर्ट्स आपके लिए हो सकती हैं बेस्ट ऑप्शन

बात जब फैशन टिप्स की होती है तो सबसे पहला जिक्र महिलाओं का किया जाता है। उनके लेटेस्ट फैशन से लेकर ज्वेलरी और फुट वियर, सब कुछ नोटिस होता है। लेकिन आज बात लड़कियों के फैशन की नहीं बल्कि लड़कों के फैशन की होने वाली है। अगर आप इस समर सीजन अपने वार्डरोब को बदलकर खुद को ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक देना चाहते हैं तो ये फैशन टिप्स आपके बहुत काम आ सकते हैं। इस खबर में आपको बताएंगे कि इस साल गर्मियों में हल्के फैब्रिक्स, पेस्टल रंग और कैजुअल डिजाइन वाली किस तरह की लेटेस्ट ट्रेंड वाली प्रिंटेड शर्ट्स आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती हैं। गर्मियों में मर्दों के लिए कूल फैशन टिप्स, देखें साल की ट्रेंडी और प्रिंटेड शर्ट्स....

गर्मियों में मर्दों के लिए कूल फैशन टिप्स देखें साल की ट्रेंडी और प्रिंटेड शर्ट्स

कॉटन लिनन शर्ट्स

लड़कों के पहनने के लिए इस समर सीजन आप लिनन और कॉटन से बनी शर्ट्स को पसंद कर सकते हैं। ऐसी शर्ट्स पहनने में हल्की, सांस लेने वाली और पसीना सोखने वाली होती हैं। आप इस तरह की कमीज में सफेद, बेज, मिंट ग्रीन या पेस्टल ब्लू जैसे रंगो के साथ चिनोस या डेनिम शॉर्ट्स के साथ पेयर करें।

प्रिंटेड कैजुअल शर्ट्स

फ्लोरल, ज्योमेट्रिक या ट्रॉपिकल प्रिंट वाली शर्ट्स गर्मियों में पहनी हुई ट्रेंडी लुक देती हैं। आप इस तरह की शर्ट्स में कॉटन या रेयॉन वाले फैब्रिक में हल्के प्रिंट्स चुनें। आप इस तरह की शर्ट्स सॉलिड कलर ट्राउजर्स या शॉर्ट्स के साथ स्टाइल कर सकते हैं।

पोलो शर्ट्स

पोलो शर्ट्स गर्मियों में कैजुअल और सेमी-फॉर्मल दोनों मौकों के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। कॉटन या पॉलिस्टर ब्लेंड में पेस्टल या ब्राइट रंग जैसे नेवी ब्लू, पीच या येलो आजकल काफी ट्रेंड में हैं। आप इन्हें जींस या चिनोस के साथ कैरी करें। आप अपने लुक को स्नीकर्स के साथ पूरा कर सकते हैं।

शॉर्ट-स्लीव डेनिम शर्ट्स

हल्के डेनिम के फेब्रिक से बनी शॉर्ट-स्लीव शर्ट्स गर्मियों में स्टाइलिश और कूल लुक देती हैं। इस तरह की शर्ट्स के साथ लाइट वॉश या फेडेड डेनिम चुनें। जिसे आपको सफेद शॉर्ट्स या खाकी चिनोस के साथ पेयर करना चाहिए।

कुर्ता स्टाइल शर्ट्स

हल्के कॉटन या खादी से बनी कुर्ता स्टाइल शर्ट्स गर्मियों में इंडियन फ्यूजन लुक के लिए शानदार रहती हैं। इस तरह की शर्ट्स के पसंद करते समय सफेद, क्रीम या पेस्टल शेड्स में एम्ब्रॉइडरी वाली शर्ट्स चुनें।